मैं कैसे जय पा सकता हूं?

आइये प्रार्थना के लिए हमारे सिर को झुकाये।

हमारे पिता, हम आज सुबह आपको धन्यवाद करते है, इस भव्य समय के लिए जिसमें फिर से एक साथ हो रहे है, और प्रभु के वचन के खुलने पर, यहाँ जो हमारे सामने रखा है। और—और अब प्रार्थना के साथ, कि पवित्र आत्मा उसे ले लेगा जो परमेश्वर है, और हमें हमारे लिए आजाद करेगा, जिससे हम आज इस आराधना के स्थान को आनंद से भरे ह्रदय के साथ छोड़ते हुए जा सके। आपके छुटकारे की महान सामर्थ को देखें, प्रभु, कैसे ये बंधुवो को छुड़ाता है, और उन्हें आजाद करता है, हमें ज्ञात करवाता है, "जो बातें थी, और जो है, और आने वाली है।" और हम बस इन चीजों के लिए आपको धन्यवाद करते हैं।

2 हम प्रार्थना करते हैं कि आप हमें आशीष देंगे, जैसे हम अब आपके वचन का एक साथ अध्ययन करते हैं। और जब हम यहाँ से जाते हैं, होने पाये ये जो हमारे ह्रदय में बोला गया, जैसा कि हम रास्ते में जा रहे हो, "हमारे ह्रदय भीतर से उत्तेजीत हो रहे थे जब वो, पवित्र आत्मा ने हमसे बात की, जब हम मार्ग में थे।"

3 आज हर एक, हर कही सेवक को आशीष देना, आपके दास जो इस के लिए खड़े हैं, जो आपका सच्चाई है। बीमारों के लिए, उनकी प्रार्थनाओं का उत्तर दीजिये। पीड़ित लोगों के बीमार शरीर को चंगा कीजिये।

4 प्रभु, हम मांगेंगे कि आप लोगों के बीच में जाये और उस पहले से ठहराये बीज को ढूंढकर वहां से बाहर निकालेंगे, प्रभु, और इसे किसी भी तरह से पास लेकर आयेंगे, जब वो उजियाला मार्ग पर गिरेगा, प्रभु। क्योंकि, हम विश्वास करते है कि समय निकल रहा है, सूरज तेजी से पश्चिम में डूब रहा है, तब जल्द ही ऐसा होगा कि "समय और नहीं रहेगा।" समय और अनंत काल एक साथ मिश्रित होंगे, जब परमेश्वर और उसके लोग एक साथ मिश्रित होते हैं। और हम प्रार्थना करते हैं, परमेश्वर, कि उस समय, कि हम उन लोगों के बीच गिने जायेंगे, जो मसीह के अन्दर मिश्रित होंगे, जिसे उसकी दुल्हन कहा जाता है।

हमारी सहायता करें, आज, जैसा कि हम तैयार होते हैं, नहीं जानते हुए कि कल क्या होगा, लेकिन हम कुछ भी ग्रहण करने के लिए तैयार हैं, प्रभु, जहां तक हम जानते हैं कि जो आपके पास हमारे लिए है। हम इसे ग्रहण करने के लिए तैयार हैं। हम यीशु मसीह के नाम से, परमेश्वर की महिमा के लिए इस आशीष को मांगते हैं। आमीन।

आप बैठ सकते हैं

5 मैं आज सुबह निश्चय ही खुश था, जब मैं अंदर गया और देखा कि लोग परमेश्वर की सेवा के लिए एक साथ इकट्ठे हुए थे। और अब हम आज रात के लिए घोषणा कर रहे हैं। आज रात को चंगाई की सभा होगी। हम आज रात बीमारों के लिए प्रार्थना करेंगे। अब कुछ ही क्षण पहले, वे...

6 जैसे ही मैं अंदर आया, मेरे बेटे बिली ने मुझे बताया, कहा, "यहां पर एक—एक सज्जन व्यक्ति है, यह बस एक दीन पुरुष है, जो बहुत ही दूर से गाड़ी चलाकर आया है।" और कहा, "मैंने—मैंने उसे कमरे में बैठाया हुआ है, पिताजी।"

7 मैं—मैं कल रात देरी से आया, और रविवार के स्कूल के विषय पर ज्यादा अध्ययन नहीं किया जिस पर मैं आज सुबह बात करने जा रहा था। इसलिए मैंने कुछ लिखी हुई बातों को उठाया जो मैंने लिख कर रखा था जिसे मैंने कुछ भाईयों से बोलते हुए सुना था, और वहां से उस विषय को लिया, ताकि आज सुबह रविवार स्कूल के लिए पाठ हो; और जब हम तैयार होते हैं, और शाम की सभा के लिए तैयारी करते हैं।

8 और बिली ने कहा, "वहां एक व्यक्ति है जो बीमार है।" कहा, "मैं—मैं—मैं चाहता हूं कि आप वहां जाकर और उसे देखे।" तो, मैं अभी उस कमरे में गया था। और एक भाई जो लगभग मेरी उम्र का था, और उसकी पत्नी वहां बैठे हुए थे। और पवित्र आत्मा ठीक अभी कमरे में हमारे बीच उतर कर आया।

9 जरा सोचे, केवल चंगाई की सभा के बारे में बताया ही था, और वहां पर वह था। देखा? और इस भाई ने जो कुछ किया था, उसने उसके बारे में बताया, और वो क्या करते आ रहा था, और उसकी परेशानी का कारण क्या था, और वो कहां से आया था, और उसके बारे में सब कुछ बताया। और कमरे में एक बहुत ही बड़ी काली छाया मंडरा रही थी। बाद में ये

धुंधली, धुंधली, धुंधली और धुंधली होती जा रही थी, तब पवित्र आत्मा ने नियंत्रण ले लिया।

10 अब, मैं सोचता हूं कि वो व्यक्ति... यही कहीं, यहाँ पर पीछे होगा। वो और उसकी पत्नी हो सकता है इमारत के अन्दर नहीं आ सके होंगे, लेकिन उन्होंने कहा कुछ भी ही वे सभा के लिए रुकेंगे। वे वहां पास ही यकीमा, वाशिंगटन के आसपास से आए है और वे गाड़ी चलाकर आये है। और वो एक सुसमाचार का सेवक है।

लेकिन बस परमेश्वर के—के अनुग्रह को वहां देखता हूं! जहां, वो मनुष्य उस संस्थान में रहा था और इसका इलाज और इत्यादि हुआ था। पवित्र आत्मा इस सबको प्रकट कर रहा था। जब, वो डॉक्टर उस मनुष्य के लिए वो सब कुछ करने की कड़ी कोशिश की, जो संभवत: है, जो वो कर सकता है, लेकिन इसने बस परमेश्वर से विशेष छोटे से स्पर्श को लिया, ताकि उस बहाव को बदल दे। करेंट के द्वारा इलाज ठीक बात है, लेकिन ये एक प्रकार से जैसे हम कहेंगे, "अंधेरे में एक निशाना लगाना," आप जानते है। आपको, यह आपकी हालत और भी खराब कर सकता है, देखो, क्योंकि आप हर एक चीज जो कुछ भी आप जानते थे उसे भूल गये हैं, जब वे उस दवा को आप में डालते हैं। लेकिन प्रभु परमेश्वर, कैसी उसकी कृपा और दया है! और इससे पहले कि मैं उसके लिए प्रार्थना का एक शब्द भी कहूं, यह पहले से ही खत्म हो गया था। देखा? इसने बस परमेश्वर की कुछ विशेष चीज को ले लिया, इसे करने के लिए विशेष स्पर्श को लिया।

मुझे यह कहना नहीं चाहिए। जी हाँ। मैं वहां पर देखता हूं, अब व्यक्ति की ओर देखता हूं। तो, मैं नहीं जानता कि आप इसे आज कर पाते है या नहीं।

11 मैं वहां उस देश में जहां इस सप्ताह रह रहा था। मैं—मैं—मैं वहां अपने मित्रो को पसंद करता हूं। ये इन बड़ी सभाओ से पहले यह एक छोटी छुट्टी है, आप देखते हैं। और मैं घर पर आया ताकि वहां जाकर इन भाइयों के साथ गिलहरी के शिकार से जाऊं। और यह परिवार, मेरा मतलब वे परिवार जिनके साथ मैं वहां रहता हूं, वे निश्चित रूप से प्रेमी लोग हैं। और वो मनुष्य, एक सच्चा भाई, मित्र है; जो वे हैं।

और उनमें से एक शिकारी कुत्ते के—के बडे प्रेमी है। और उसके पास एक उनसे वहां भरा हुआ जानवरों का बाड़ा है। और—और मैंने वहां देखा कि सबसे छोटा सा खुबसूरत शिकारी कुत्ता देखा, एक छोटा सा साथी, जिसके बारे में मैंने बताया था कि, "आधे कुत्ते ऊंचे थे और दो कुत्ते लंबे," आप जानते हैं कि वे घर के चारों ओर दौड़ रहा थे। और मैंने सोचा, "ओह, क्या ऐसा ही कुछ हमारे पास होने के लिए जोए पसंद नहीं करेगा!"

12 और, निश्चय एरिजोना से बाहर, उसका उपयोग नहीं कर सकते। वे (कैक्टस) कांटेदार पेड़ में फंस जायेंगे, और जिससे उनकी मौत हो जायेगी। तो तब मैंने भी कहा, "आपके पास यह नहीं हो सकता है, वे देश के उस हिस्से में कुत्तों का उपयोग नहीं करते हैं। कारण, वे, ठीक है, वे बस उनका उपयोग नहीं कर सकते। वे... भी, वो मौसम, (कैक्टस) कांटेदार पेड़ के साथ देश भरा पड़ा है, और उससे वे मारे जायेंगे।" और फिर, सच में, वहां पर शायद एक शिकारी कुत्ता, एक भेड़िया, या कुछ तो और उसे मार डालेगा, किसी भी तरह, वो बाहर निकलते है तो।

13 सो तब इस व्यक्ति ने मुझसे कहा, "आप बस इसे ले सकते हो।" लेकिन मैं—मै उसे नहीं ले सका। मैंने—मैंने इसकी सराहना की। मालूम पड़ा, यह उसके पसंदीदा कुत्तों में से एक था।

14 और इस व्यक्ति की एक प्यारी छोटी पत्नी और छोटे–छोटे बच्चे हैं। और एक दिन, उसने अपनी कार से बाहर निकलना आरंभ किया, और उसके पास ये एक पुरानी कार थी। और छोटा कुत्ता लगभग केवल *इतना* ही लंबा है, केवल एक छोटा सा बच्चा ही है। और वो सीधे उसके ऊपर से कार को दौडा कर लेकर गये। वो पुरानी कार छोटे कुत्ते के ऊपर से चली गयी, *यहां* उसकी पीठ पर, और इसे मसल दिया, जहां वे रास्ते पर के पत्थर उसके बाद उसके यहाँ नीचे उसके छोटे से पेट में गढ़ गये थे, आप जानते है। और—और वो छोटी पत्नी, उस छोटे कुत्ते को पशु चिकित्सक लेकर जाने के बजाए... निश्चय ही, वो पशु चिकित्सा बस उसे वहां सीधे सुला देगा फिर, और इसे मार डालेगा। देखा?

वहां मेरे साथ एक और नौजवान व्यक्ति था। और जैसे ही वह वहां उठ कर गया, कहा, "यदि यह मेरा कुत्ता होता था, तो मैं इसे गोली मार देता।" कहा, "ऐसा ही है। क्या इसे इस तरह तड़पने दें? "

15 मैंने कहा, "ठीक है, इसे गोली न मारे।" मैंने कहा, "थोड़ा इंतजार करें।"

सबको पीछे किया, और चला गया और इसके लिए प्रार्थना की। वो छोटा कुत्ता बरामदे तक मेरे पीछे चलने लगा। और वो, [सभा आनंद करती है—सम्पा।] जी हाँ, वो... देखा? "जो कुछ भी चीज की इच्छा करके जब आप प्रार्थना करते हैं, विश्वास करे कि आपको ये मिल गया हैं; वो तुम्हारे पास होगा, तुम्हें दिया जाएगा।" "जो कुछ भी चीजें हो।" यही हमारा प्रभु परमेश्वर है। क्या नहीं है? [सभा कहती है, "आमीन।"] वो—वो अद्भुत और प्रशंसीय है। और हम निश्चित रूप से आज सुबह उससे प्रेम करते हैं; और उससे अपेक्षा करते है, और जानते हुए।

16 एक दिन देखा, एक—एक बुढा दम्पति, जो यहाँ विश्वासीयों के समूह के बहुत ही अच्छे सदस्य के माता और पिता है। और उनकी माँ, ओह, मुझे लगता है कि वह सौ वर्ष के करीब है, और उनके पिता भी। और लगभग बारह वर्षों से यह मनुष्य कभी भी नहीं हिला; उसकी पीठ पर, बस वो सीधे पड़ा रहा। या, उसने करवट नहीं ली, या कुछ भी नहीं। बारह वर्षों से वही पड़ा रहा। बस बूढ़ापा! और उसकी मां लगभग उसी उम्र की है, मुझे लगता है, कुछ सौ के करीब, और दीन बूढी स्त्री ने अब लगभग उसके मानसिक नियंत्रण को खो दिया था। वह सोच रही है कि जो कुछ उसके पास है, कोई तो उससे लेकर जा रहा है।

और मैंने... टेबल की ओर देखा, हम सभी, युवा और बूढ़े, वहां बैठे हुए थे। और मैंने कहा, "हम कहाँ जा रहे हैं? हम क्या कर रहे हैं?" और मैं जिस महिला के साथ रह रहा था, वो उसके माता और पिता थे। और मैंने कहा, "आप भी उसी तरह से आगे बढ़ रहे हैं। बिल्कुल, हम में से प्रत्येक जन।" समझे?

17 जरा इसे सोचे, कुछ क्षण के लिए इससे पहले हम पाठ को आरंभ करे। यही वो जगह है, जहां आप जा रहे हैं। आप किसके लिए संघर्ष कर रहे हैं? सो आप जी सकते हैं। आप किसके लिए जी रहे हैं? सो आप मर सकते हैं। क्या यह सबसे मुर्खता नहीं होगी यदि हम अनन्त जीवन के लिए परमेश्वर के प्रबंध को स्वीकार नहीं करते हैं? हम किस बारे में सोच सकते हैं? हमारे मन में क्या हो सकता है, जो हमारा ध्यान आकर्षित करे... किसी पर भी? क्या हो यदि आपके पास खुद के सौ मिलियन डॉलर होते है, और आपका

खुद का—का इंडियाना, या कोई अन्य राज्य हो, या यहां तक कि राष्ट्र हो, या जहां तक सारे संसार से जो संबंधित है?

आप लम्बा जीवन जीते हैं, आपको भी उस पर आना होगा। देखा? और लगातार, दिन–प्रतिदिन, हर समय जब आपका हृदय धड़कता है, तो आप सीधे उस पर जा रहे होते हैं। समझे? आप, आपके लिए कोई विजय नहीं है। आप हारने वाले पक्ष में हैं, और, आप, आपको हारना है। लेकिन प्रतिज्ञा को याद रखें, कि, "जो मेरे लिए अपना जीवन खो देता है, वह उसे पायेगा।" अब, जीवन को खोजने से बढकर और खजाना क्या होगा, भले ही आपने सारे संसार को अपने लिए पा लिया हो? लेकिन, यदि—यदि आप जीवन पाते हैं, तो आपने सबसे बड़ी चीज को पा लिया, जो आप पा सकते है। मैं चाहता हूं...

18 मेरी बाएं ओर देखा और फिर से देखा, ठीक अभी, परमेश्वर के अनुग्रह का एक और चिन्ह। लगभग कुछ सप्ताह पहले, मुझे फोन किया था। और इस कलीसिया, या इस देह के एक प्रेमी सदस्य ने... मैं इसे एक कलीसिया के रूप में और अधिक नहीं बुलाना चाहता हूं। मैं—मैं इसे कहना चाहता हूं, कि...

जैसे मैं कुछ लोगों से बात कर रहा था, उन्होंने कहा, "ठीक है, आप किस कलीसिया से संबंध रखता हैं? "

मैंने कहा, "मैं संबंधित नहीं हूं... "

"आप किस संप्रदाय से संबंधित हैं? "

मैंने कहा, "कोई नहीं।"

कहा, "तो, आप किससे संबंध रखते हैं? "

मैंने कहा, "एक राज्य से।"

19 एक राज्य! "और एक आत्मा के द्वारा, हम उस राज्य में बपतिस्मा लेते हैं।" एक आत्मा के द्वारा, सब, इस राज्य में! यीशु ने कहा, "प्रार्थना करो, 'तेरा राज्य आये। तेरी इच्छा धरती पर पूरी हो जाए, जैसे आसमान में है।'" अब, वह एक दिन रूपान्तर पर्वत से पहले खड़ा था, उसने कहा, "मैं तुमसे सच–सच कहता हूं, कि यहां कुछ लोग खड़े हैं, वे मृत्यु को नहीं चखेंगे, जब तक वे एक राज्य को सामर्थ में आते न देख ले।" यह पूर्वछाया थी, जैसा कि हम इसमें से होते आये हैं, रूपान्तर पर्वत। और

बाइबिल ने कहा, "परमेश्वर का राज्य तुम्हारे अन्दर है।" तो, यह एक राज्य के लोग है, जो इसका दावा करते है कि यह उनका घर नहीं है। यह हमारा घर नहीं है। हम राजा के आने के लिए देख रहे हैं, जिसने राज्य की स्थापना की है।

20 मुझे एक आपातकालीन मामले में बुलाया गया था, एक—एक पुराना भाई जो मेरे लिए पिता की तरह रहा है। और वो... मैं उसे बहुत लंबे समय से नहीं जानता था, लेकिन मुझे वो दिन याद है कि मैं उसे यहां पानी के बपतिस्मे के लिए लेकर आया था। और व्यक्ति जल्द ही इकानब्बे वर्ष का हो जाएगा। और उसकी प्यारी पत्नी ने मुझे फोन किया, और वो एक नर्स होने के नाते, बताया, "उसे पूरी तरह से ह्रदय का दौरा पड़ा था।" इसके अलावा, उसे... ओह, मैं... मैं नाम नहीं बता सकता हूं। ह्रदय का दौरा। [एक बहन कहती हैं, "कोरोनरी।"—सम्पा।] कोरोनरी (ह्रदय को लहू पहुँचाने की धमनी) दिल का दौरा। धन्यवाद। कोरोनरी दिल का दौरा, और एक पूर्ण रूप से दिल का दौरा। डॉक्टर ने कोई आशा नहीं जताई। और वो व्यक्ति मर रहा था, और उसने मुझे बुलाया।

21 और मैंने अपनी छोटी पुरानी फोर्ड कार को लिया, और ओहियो के लिए सड़क की ओर जाना आरंभ किया, जितना जल्दी मैं कर सकता था। और मैं नहीं जानता, मेरे पहियों में एक पहिया उसके क्रम से बाहर था, इससे टायर बाहर की निकल आया था। और इसलिए मैं... वहाँ जा रहा था। एक तेल भरने के स्थान की ओर आ रहा था, लगभग ग्यारह बजे थे। मैं उसके बारे में चिंतित था। मैं—मैं उससे प्रेम करता हूं। और मैं जानता हूं, यदि—यदि ये ऐसे ही जारी रहता है, प्रभु आने में देरी करता है, क्यों, जल्दी या देर से, हमें एक दूसरे को ऊपर उठाना होगा।

22 लेकिन, अब यह रेपचर को आधात नहीं पहुंचाएगा। समझे? नहीं। उसके बाद, वे पहले आयेंगे। उनके पास सौभाग्य था, जो चले गये है। वे पहले आयेंगे। देखा? देखा? "हम जो जीवित हैं और बने रहते हैं, प्रभु के आगमन के लिए, वे जो सोए हुए है उन लोगों के लिए बाधित या रूकावट नहीं होंगे। परमेश्वर की तुरही फूंकी जायेगी; मसीह में जो मरे है, वे पहले जी उठेंगे। फिर जब हमारी आंखें हमारे प्रियजनों को देखती हैं, तो हम एक पल भर में, पलक झपकते ही बदल जायेंगे, और उनके साथ एक साथ उठा

लिए जायेंगे।" देखा? जो लोग पहले जाते हैं, वे जीवित लोगो से ज्यादा सौभाग्य प्राप्त लोग हैं।

23 जैसे ही मैं तेल भरने के स्थान से बाहर निकला, तब ग्यारह बजे थे, पवित्र आत्मा ने मुझसे कहा, "उसके बारे में चिंता मत करो। तुम फिर से सड़क पर उससे अपना हाथ मिलाओगे, और वह कलीसिया में आएगा," वो मनुष्य जो नब्बे वर्ष का है, मर रहा है।

जब मैं लीमा के अस्पताल में उसकी पत्नी और उसके प्रियजनों से मिला, तो उन्होंने मुझे उसकी परिस्थिति के बारे में बताया। मैं अंदर गया, उसे वहां पर देखा। उसने कहा, "लेकिन उसके साथ कुछ तो अजीब बात हुई।" कहा, "वो—वो ग्यारह बजे ठीक होकर बदलना आरंभ हो गया।" ठीक है, और मैं... प्रभु ने उन लोगों को बहुत सारी चीज़ें दिखायी थीं, वे जानते हैं कि मैंने बस इतना कुछ नहीं बताया। क्योंकि, उन्होंने मुझे पहले ये बताया था, "वह बदलना आरंभ हो गया है।" वे जानते थे कि मैं उन्हें सच बताऊंगा।

24 सो, पिछले रविवार, जब मैं लुइसविले में ब्लू बोअर कैफेटेरिया में जा रहा था, जहां तक मुझे लगता है कि इस सभा के अस्सी प्रतिशत लोग रविवार की दोपहर को भोज के लिए इकट्ठा हुए थे, तो मुझे सड़क पर आते हुए किसने देखा? मैं आपको बताता हूं, मेरा ह्रदय हो व्याकुल हो गया, जब मैंने अपने भाई डौच को सड़क पर आते हुए देखा, बिल्कुल वैसे ही जैसे उसने बताया था। मैंने सड़क पर—पर, उससे हाथ मिलाया।

25 तब मैं—मैं यहां पिछले रविवार की रात के लिए वापस आ गया और एकता के विषय पर बात की, *समय के चिन्ह का एक होना*। तो... और फिर वह उसे पूरा करने के लिए लेकर आया, बस उसने जो कहा। और यहां वो आज कलीसिया को यहां हमारे द्वारा तैयार करता है, परमेश्वर के अनुग्रह के एक चिन्ह के रूप में। जब तम्बू के नीचे उससे हाथ मिला रहा था, वो ऑक्सीजन तम्बू के नीचे था, मैंने कहा, "भाई डौच, तुम ठीक हो जाओगे। मैं आपको फिर से कलीसिया में देखूंगा। यह, यही यहोवा यो कहता है, वो है।" देखा? यहां वह कलीसिया में बैठे हुए है, ठीक यहां अभी, भाई डौच।

26 यदि मैं गलत नहीं हूं, तो वो सेवक मैं जिसके बारे में बात कर रहा था कुछ क्षण पहले, पवित्र आत्मा वहां आया और इन सारी चीजों को

प्रकट किया; उसे बताया यह कैसे हुआ, और उसे बताया कि उसने क्या किया है; ये कैसे घटित हुआ, यह कैसे पूरा हुआ, तब से लेकर जो कुछ भी होते आ रहा है, यहां तक कि उसके परिवार का चाल–चलन, और उसके बारे में सब कुछ। और उसे बताया, कि, "यह पूरा हुआ है।" और सेवक ठीक यहाँ पर दाये हाथ पर खड़ा हैं। क्या आप केवल अपने हाथ को ऊपर उठायेगे, श्रीमान? वे रहे वहां, वो और उनकी पत्नी, बिल्कुल, ठीक अभी।

यहां भाई डौच बैठे है, अभी ठीक यहां पर। ओह, प्रभु!

27 क्या वो अद्भुत नहीं है? [सभा कहती है, "आमीन।"—सम्पा।] "वो बातें जो थीं, जो है, और जो होने वाली है।" एक, दो, तीन गवाहियां। "वे चीजें जो थीं, जो आपने किया है; वे चीज़ें जो अभी जारी है; और चीजें जो होने जा रही है।" और हर समय, बिल्कुल, बिल्कुल वचन के अनुसार है। यह केवल परमेश्वर ही कर सकता है। ओह! क्या हम इन चीजों के लिए सबसे ज्यादा खुश नहीं हैं? ["आमीन।"]

28 अब, मेरा थोड़ा अतिरिक्त समय लेने का जो कारण था, बिली को अपनी पत्नी और बच्चे को लाने जाना था। और उसने कहा, "पिताजी, प्रचार शुरू मत करना, जब तक मैं वापस नहीं आ जाता।" तो, मैं—मैं सोचता हूं कि वह अब वापस आ गया है। और किसी भी तरह से मेरे पास बहुत समय है। और मैं कोशिश करूंगा आपको यहाँ पर बनाये रखकर इन चार घंटों तक नहीं थकाऊँ, और इसे पैतीस, चालीस मिनट का प्रचार बनाऊं, आप देखे, और इसे बनाये रखने की कोशिश करूं।

29 अब, मैंने शिकागो में एक बार टिप्पणी की थी। मैंने इसे तीस मिनट, या कुछ, पच्चीस मिनट में पूरा किया। और पिछले रविवार की रात को केवल पैतालीस मिनट में पूरा किया था। बिली ने कहा, "आप वास्तव में उन्नती कर रहे हैं, पिताजी। मुझे एक तरह से इसके लिए आप पर गर्व है।"

30 ठीक है, हो सकता है, आज सुबह, इसे कुछ रविवार के स्कूल की तरह बनाने के लिए, मैं आपको ज्यादा समय तक नहीं रोके रखूंगा। फिर आप बाहर जाकर और अपना दोपहर का भोजन कर सकते हैं, और प्रार्थना करे, और आज रात के चंगाई की सभा के लिए वापस आ जाये। हम आज रात प्रार्थना की पंक्ति बनायेंगे और बीमारों के लिए प्रार्थना करेंगे।

31 अब, यदि आप यही कहीं, कोई भी, कही भी, किसी व्यक्ति को जानते हैं, जो बीमार है और प्रार्थना करवाना चाहते है, तो आप उन्हें आज रात यहां लेकर आये। समझे? यदि आपको उन्हें किसी भी तरह से लेकर आना है, तो उन्हें यहां ले जाये। समझे? यही मुख्य बात है, है कि उन्हें आज रात यहां पर लेकर आये। हम सभी एक साथ मिलेंगे। इसी तरह... लोगो के बुलाने पर, सभी लोगो के पास जाना मुश्किल है, एक स्थान के बाद दुसरे स्थान पर जाना; तो आप किसी को छोड़ देते हैं, और वहां एक ख़राब महसूस होता है। लेकिन यदि मैं उन सबको एक ही स्थान पर ला सकता हूं, तब मैं उनके लिए प्रार्थना कर सकता हूं। अब, यदि आप... यदि लोग प्रार्थना करवाना चाहते हैं, वे... आप कहते हैं, "क्या वे चाहेंगे?" ओह, निश्चय ही। उनके लिए प्रार्थना की जाएगी। उन्हें यहाँ लेकर आये। परमेश्वर चाहता हैं, हम यहां पर सभी के लिए प्रार्थना करने के लिए होंगे। क्योंकि, मैं महसूस करता हूं कि वो तीसरा खिंचाव आगे बढ़ना आरंभ हो रहा है, आप देखना, मेरे अन्दर। और मैं—मैं—मैं सभी के लिए प्रार्थना करना चाहता हूं।

32 अब आइए आज सुबह एक जाने पहचाने पुराने वचन में जायेंगे, जहां मैं कल रात को जल्दी से उठ गया, मैं बहुत नींद में था, और इसके साथ बताने के लिए कुछ और वचनों को लिखा। और एक तरह से सम्मानपूर्वक लेते हुए। मैंने कुछ भाईयों को एक बार कहते सुना, इस वचन का प्रयोग करें। और मैंने सोचा... मैंने इसे लिख कर रखा। मैंने सोचा, "ठीक है, मैं सोचता हूं कि मैं इसे लिखकर रख दूंगा, क्योंकि यह काम में आ सकता है।"

हम कई बार ऐसा करते हैं। मैंने देखा, आप में से बहुतो के पास, कागज का एक टुकड़ा होता था। और एक सेवक कुछ तो कह सकता है, और फिर आप—आप उस मुख्य बात पर पहुँचते है, तब कुछ तो आपके अन्दर खुलना आरंभ होगा। और फिर यदि पवित्र आत्मा इसे कर रहा है, तो आप ठीक वहां उसी बिंदु के ऊपर एक संदेश को बनाना आरंभ कर देंगे, प्रभु के लिए एक सन्देश। और यह अच्छी बात है। मैंने सभाओ में देखा है, जहां कही भी आप जाते हैं, बस प्रचारक और लोग लिखते रहते हैं। यह ठीक बात है। हम—हम यहां हैं, यही है वो जिसके लिए हम यहां पर हैं, ताकि इन मार्गो पर साथ ही एक दूसरे की सहायता करने की कोशिश करे।

33 और अब प्रकाशितवाक्य के तीसरे अध्याय को खोले, कलीसिया काल

पर, कलीसिया काल को दोहराते हुए। लेकिन अब हम... हम... वहाँ है। जी हाँ। मैं इस एक वचन को ले सकता हूं, और पवित्र आत्मा के साथ, इस पर एक सौ वर्ष के लिए प्रचार कर सकता हूं और कभी भी इसमें से उस बात को बाहर नहीं ला सकता हूं। क्योंकि, इस एक वचन में, बाइबल के सभी अन्य वचनों की तरह, ये सब एक साथ जुड़े हुए हैं।

और मैं इस विषय को आज सुबह लेना चाहता हूं: *मैं कैसे जय पा सकता हूं?* अब, मैंने इसे चुना क्योंकि मैं सोचता हूं कि यह एक ऐसा समय है कि हमें कभी भी बेदारी की आत्मा को मरने नहीं देना चाहिए। हमें बेदारी में बने रहना होगा, लगातार जागृत, हर दिन। पौलुस ने कहा कि उसे "रोज मरना है, जिससे मसीह जी सके।" और हमें कभी भी उस बेदारी को हमारे अन्दर मरने देना नहीं चाहिए।

अब, प्रकाशितवाक्य, तीसरा अध्याय, और 21 वे पद के साथ आरंभ करते हुए, हम इसे पढ़ते हैं।

> *जो जय पाए, मैं उसे अपने साथ अपने सिंहासन में बैठाऊंगा, जैसा मैं... भी जय पा कर अपने पिता के साथ उसके सिंहासन में बैठ गया।*
>
> *जिस के कान हों वह सुन ले कि आत्मा कलीसियाओं से क्या कहता है।*

34 क्या आपने ध्यान दिया उसकी व्यवास्था को? देखा? "मेरे साथ मेरे सिंहासन *में* बैठेगा," ना ही "मेरे सिंहासन *पर*।" "मेरे सिंहासन *में*," यही उसके अधिकार में है। समझे? और वहां, जैसे—जैसे मसीह शासक करने वाला है, इस समय पर सिंहासन का शासक करने वाला, जो परमेश्वर का पूर्ण अधिकार है, वैसे ही कलीसिया उसके साथ रहेगी, दुल्हन उसके साथ उसके सिंहासन में होगी सम्पूर्ण अधिकार में। समझे? ना ही "*मेरे* सिहांसन पर" लेकिन "मेरे सिंहासन *में*," देखो, जहाँ तक उसका अधिकार होता है। एक सिंहासन में एक अधिकार होता है, और—और एक अधिकार बस वहां तक होता है, जहाँ तक उसकी सीमायें पहुंचती है। और यह अनंतकाल से अनंतकाल तक है। जरा इसके बारे में सोचो!

35 अब, जब हम इसका अध्ययन करते हैं, तो इसका मेरा उद्देश्य केवल आप लोगो के साथ यहाँ आकर मिलना नहीं है। जो, मुझे ऐसा करना अच्छा लगता है। लेकिन यदि—यदि मुझे ऐसा करने का मौका मिलता है, तो मैं

आपके घर आऊंगा, और आपके साथ हाथ मिलाऊंगा और आपसे बात करूंगा, और बैठकर, आपके साथ रात का भोजन करूंगा; और पेड़ छाया के नीचे, और बात करूंगा और कुछ समय की संगती करूंगा।

लेकिन जब हम यहां पर आते हैं, हम यहां एक विशेष उद्देश्य के लिए होते हैं। यह सुधार का घर है। यह सिंहासन है। यह परमेश्वर का सिंहासन है, और न्याय परमेश्वर के घर से आगे जाता है। और यहां वो जगह है जहां हम एक साथ आते हैं, एक दूसरे के साथ प्रेम में इकठ्ठा होते हैं, क्योंकि केवल मसीह लोग ही प्रेम कर सकते हैं। लेकिन, यहां, हम—हम पवित्र आत्मा के एक—एक—एक—एक नेतृत्व के नीचे हैं। पवित्र आत्मा हमारे बीच है। और हम यहां पर हैं... हमारे बीच का लेखा लेने के लिए, यह देखने के लिए कि कहां हमारी छोटी–छोटी गलतियाँ हैं, हमारी कमीयां, और हम किस तरह से समझ सकते हैं कि हमें कहाँ होना चाहिए, हमें कहां पर अभी होना चाहिए था; हम कहाँ पर है, और कहाँ हमें होना चाहिए। और यही है वो जो हम अध्यन करते हैं। सेवक अपने लोगों के लिए उन स्थानों पर अध्ययन करते हैं। जब वे लोगों को कमीयों में देखते हैं, तब वे उस पर बोलना आरंभ करते हैं।

36 अब, जल्द ही, मैं सोचता हूं कि कलीसिया हो सकता है इस समय पर एक कदम थोडा और ऊपर जाना चाहिए। आज सुबह मैं इसे करने की योजना नहीं कर रहा हूं इन चीजों को दिखाते हुए। लेकिन मैं सोचता हूं, जल्द ही, परमेश्वर ने चाहा तो, इससे पहले हम उन तुरहीओं पर प्रचार करे, मैं चाहता हूं मैं कलीसिया को ऐसी कुछ बात के—के—के लिए लेकर आऊं, जिसे—जिसे आपको जानना चाहिए, मैं अब सोचता हूं।

37 और अब हम इस पर बात कर रहे हैं, "जय पाना।" वो शब्द *जय पाना* निश्चित रूप से, आप जानते हैं कि इसका मतलब क्या होता है। आपके पास जय पाने के लिए कुछ तो होना है। और यह कलीसिया काल जिसे पवित्र आत्मा यहाँ पर जिसके बारे में बता रहा है, लौदकिया कलीसिया काल में, जैसा कि हम अभी इसमें से होकर रह रहे हैं, एक फटकार की आवश्यकता है। लौदकिया को फटकार किया जाना था, क्योंकि ये—ये मसीह के प्रति भिन्न है। इसने उनके युग में—में मसीह को बाहर रख दिया था। और मसीह बाहर था और वापस अन्दर आने की कोशिश कर रहा था। जो प्रेम है। और उसे अपने घर से बाहर रखने के बाद, वो वापस अन्दर

आने की कोशिश कर रहा था, और कहा, "वह जो द्वार को खोलेगा, मैं उसके पास आऊंगा।" समझे? कलीसिया ने पूरी तरह से उसे बाहर रखा था।

38 लेकिन अब ध्यान दें। उसकी पुकार यहां केवल कलीसिया के लिए नहीं है। "वह जो जय पाता है।" देखा? ना ही कलीसिया; वो (she) होगी, देखो, कलीसिया देह। लेकिन ये "वो (he) जो जय पाता है," वह व्यक्तिगत होगा, जो अब जय पायेगा।

39 और लौदकिया उस कलीसिया के पास आ रहा था। अब हम तब देखते हैं, जानते हैं कि यह लौदकिया काल है, और यह जानते हुए कि इस काल को परमेश्वर से एक तेज फटकार की आवश्यकता है। इसे एक तेज फटकार की आवश्यकता है। और जब हमारे याजक लोग बहुत ही ढीले से और हल्के से लेने वाले होते है, जैसे हमारे कुछ बुजुर्ग दादा जी उनके पोतो के लिए होते है, वे जो भी कर रहे होते हैं वो सही है। और वे...

40 इसके लिए इतना कुछ कहा गया है कि परमेश्वर इतना भला परमेश्वर हैं, इतना तक वे परमेश्वर को बस एक बड़ा हल्के से बात को लेने वाला दादा जी बनाने की कोशिश करते है। आप समझे? लेकिन वो ऐसा नहीं है। वो एक पिता है, और धार्मिकता का पिता है, सुधार का पिता है। और प्रेम हमेशा सुधार करता है। देखा? प्रेम सुधार करता है। कोई फर्क नहीं पड़ता कि यह कितना अधिक चोट पहुंचाता है, यह फिर भी सुधार करता है।

एक सच्ची मां अपने बच्चों को सुधार करेगी। एक सच्चा पिता सुधार करेगा। देखा? यदि आप केवल ढीले से और हल्के से बात को लेने वाले हैं, और इसे होने...

41 मैं एक दिन वहां नहाने जाने के लिए, एक पुराने एक नीचे पड़े पेड़ के गठ्ठे में से होकर पार जा रहा था, या जिसे खोखला (पेड़ जो अन्दर से खोखला होता है) कहा जाता है। और मैं इस पेड़ के गठ्ठे पर कूदा। बाहर से तो यह अच्छा लग रहा था, एक बडे पुराने भरे हुए पेड़ के गठ्ठे की तरह लग रहा था। लेकिन जब मैं उस पर कूदा, ओह, इसका एक बड़ा हिस्सा टूट कर गिर गया। यह पूरी तरह से सड़ा हुआ और हल्का था। मैंने कहा, "इसी तरह से मसीही बनते जा रहे हैं।" वे पाप और अपराधों में इतने समय से मरे पड़े है, इतना तक वे हल्के बन गये है। वे कुल मिलाकर वजन को नहीं संभाल सकते हैं। वे—वे नहीं जानते कि जय पाने का क्या मतलब

हैं। और फिर, मैंने इस विषय के बारे में सोचना आरंभ किया। जय पाना, आप में जीवन को बनाये रखता है। जब जीवन बाहर चला गया, तो यही है जो उस पेड़ के गड्ढे को उस परिस्थिति में लाता है। देखा? और इसे इसे पहले से भी बदतर बना दिया, जब यह डाली से जुड़ा हुआ था, जहां पर जल था।

42 और फिर, वहां, आप एक मसीह को ले, जिसे एक मसीह होना चाहिए, परमेश्वर का जीवन उसमें से बाहर निकाल दें, और वो अनुभव, मसीह की सेवा करने का आनंद; और, एक कलीसिया में रहना जहां पर ऐसा चल रहा हो, वो तुरंत ही तब दो गुना सडने लगेगा, बिल्कुल जो ठीक इन चीजो नीचे रह रहा होता है।

43 इसलिए, यदि हम समय के संदेश के पीछे चलने की कोशिश कर रहे हैं, या कम से कम संदेश के इस भाग को, तो हमें निरंतर मसीह के जीवन में जीना चाहिए। समझे? क्योंकि, यदि ऐसा नहीं होता है, तो वहां ऐसे ही पड़े रहते है, और जानते हैं कि, ये चीजें जिन्हें आप करना चाहते हैं, और आप उसे नहीं करते हैं। बाइबिल ने कहा, "जो अच्छा करने के लिए जानता है, और उसे नहीं करता, उसके लिए यह पाप है।" तब आप हल्के से लेने वाले, सड़े हुए बन जाते हैं, जब आप परमेश्वर के जीवन से अलग हो जाते हैं। तो, आप में जो कुछ भी है उसके साथ संघर्ष करे, ताकि मसीह के जीवन में बने रहे, जिससे आप फल लाने वाले बने।

44 हम इस युग को देखते हैं जिसमें हम रह रहे हैं। यह सारे युगों में सबसे एक शानदार युग है। यह लौदकिया युग सारे कलीसिया युगों में से एक सबसे शानदार युग है, क्योंकि ये समय का अंत होना है और अनंता का मिश्रित होना है। और, फिर, यह सबसे बडा पाप से भरा युग है। इस युग में पहले से भी कहीं अधिक पाप है। और शैतान की शक्तियां के विरुद्ध लड़ना किसी भी युग की तुलना से कई गुना अधिक कठिन है। देखा? यहाँ!

45 पहले आरंभ के युग में, एक मसीही कर सकता है, एक कलीसिया या मसीह से संबंध रखने पर... इसके लिए उसका सर काटा जा सकता है। उसे मारा जा सकता है, और वो उसके कष्ट से छुटकर, और तुरंत ही परमेश्वर से मिलने जा सकता था।

लेकिन अभी वो शत्रु कलीसिया के नाम पर आया है, और यह बहुत ही भरमाने वाला है। यह सबसे बड़ा भरमाने वाला युग है। जब, मसीह ने ऐसा

कहा, "अंतिम दिनों में दो आत्माये इतनी करीब होंगी, इतना तक कि यदि यह संभव हो सकता, तो ये चुने हुओ को भी भरमा दे।" देखा? देखा? देखा? याद रखें, मसीह ने अंतिम दिन के लिए चुने हुये लोगों बात की थी। समझे? "यदि यह संभव होता तो यह उन चुने हुए को भी भरमा दे।" बहुत ही नजदीक! लोग वैसे ही जीते हैं, लोग एक साफ़, पवित्र जीवन जी सकते हैं; पाप से भरा नहीं, ना व्यभिचारी, और ना शराबी, और झूठे, जुआरी। वे उस से ऊपर जी सकते हैं, और फिर भी वे इसके साथ नहीं है।

46 यह वो—वो जीवन का युग है, मसीह का व्यक्तिगत जीवन, जहां, उसके शरीर का रसायन, जो उसके अंदर था।

सबसे पहले, धर्मीकरण के नीचे, पानी का बपतिस्मा। दूसरा, नए जन्म के नीचे, जो वेसली का है, पवित्रीकरण, जो शुद्ध करता है। और तीसरा, पवित्र आत्मा के बपतिस्मा के नीचे, सेवा के अन्दर उस पवित्र हुए पात्र को डालता है। समझे? उस शब्द *पवित्र होना* का अर्थ होता है, यह एक मिश्रित यूनानी शब्द है, जिसका अर्थ होता है, "साफ किया गया सेवा के लिए एक ओर अलग किया गया," सेवा के लिए अलग रखा गया है। अब पवित्र आत्मा इसे सेवा में रखता है। देखा?

47 और हम देखेंगे, "जब वो अशुद्ध आत्मा मनुष्य में से चली जाती है, तो वह सूखे स्थानों में चलता है।" बिल्कुल ऐसा ही कलीसिया ने किया है, बैपटिस्ट, मेथोडिस्ट, जो पवित्रता में विश्वास करते थे। "उसके बाद," यीशु ने कहा, "अशुद्ध आत्मा जो बाहर निकल गई, इस कलीसिया देह में वो वापस लौट आती है और देखती है घर को सजाया गया, झाड़ कर साफ किया गया, शुद्ध रहना, साफ़ जीवन है।" अच्छी बात है। "लेकिन उसके बाद यदि वो घर भरा नहीं गया है, कब्जा नहीं हुआ है, तब वो सात अन्य दुष्ट आत्माये जो वो पहले थी, उससे भी बदतर, और इस स्थान का अंतिम पड़ाव जो ये पहले स्थान में था उसकी तुलना में सात गुना बदतर होता है।" वे लूथरन से बेहतर बने हुए थे, उसकी तुलना में इसे होना है, ताकि वे उस प्रकाश को प्राप्त करे और वे इसका अनुकरण करने से चुक गये। वैसे ही पेंटीकोस्टल करेंगे, देखो, आप जानते हैं कि मेरा क्या मतलब है, घर को सजाया गया है।

48 जैसा कि मैं किसी से एक दिन बात कर रहा था, कहा, "वे बहुत ही सावधान रहते है, यहां तक कि बहुत से पवित्रता का झुण्ड, होली घोस्ट

कहकर नहीं बोलते है, 'होली घोस्ट,' क्योंकि वे खुद को पेंटीकोस्टल के साथ पहचान देते हैं, जब वे ऐसा करते हैं। वे कहते हैं, 'होली स्पिरिट,' देखो, वे 'होली घोस्ट,' कहने से हटते है।" क्योंकि, पेंटीकोस्टल, वे आम लोग, बस इसे वही कहते है जो बाइबल कहती है, "होली घोस्ट।" जब कि, होली घोस्ट और होली स्पिरिट एक ही बात है। लेकिन वे इसके बारे में बहुत सावधान रहते हैं। वे उनके साथ अन्य भाषा बोलने वाले लोगों की पहचान नहीं देना चाहते हैं; और यही पवित्र आत्मा स्वयं है। देखा?

तब क्या हुआ? जब वो शत्रु, जो पवित्रीकरण के नीचे चला गया, जिसे साफ किया गया था, वो वापस लौटा और पाया कि घर पवित्र आत्मा से भरा हुआ नहीं है, अब कलीसिया की स्थिति ऐसी है कि वे कलीसियायों के संघठन के साथ, विश्व परिषद के साथ जुड़ गई है। और यह अब एक स्थिति में है जो इसे रोमन कैथोलिसम और बाकी सभी के साथ जोड़ता है, और अब यह उससे भी सात गुना और भी बदतर है जब ये लूथरनवाद से बाहर निकले थे। यही है जहां मनुष्य इसे ले लेता है।

49 और फिर लौदकिया कलीसिया काल की ओर देखे, पवित्र आत्मा को पाने के बाद, और इसके बीच में परमेश्वर की आत्मा और ज्ञान के साथ थे, और उसके बाद इसके द्वारा परमेश्वर के कामों को इनकार किया गया, और इसे "एक दुष्ट काम" कहने लगे। फिर इसके बारे में क्या? यही है जहाँ मसीह को अपनी स्वयं की कलीसिया से बाहर रखा गया। देखा? वो... इसने कभी भी उसे कलीसिया में तब तक नहीं दिखाया जब तक यह लौदकिया के लिए नहीं आ जाता; और जब वह लौदकिया पहुंचा, तो उसे अपनी ही कलीसिया से बाहर रखा गया था, वापस लौटने की कोशिश कर रहा है।

50 अब देखो, धर्मीकरण ने उसे कभी भी अन्दर नहीं रखा। पवित्रीकरण ने केवल उसके लिए स्थान को साफ किया। लेकिन जब पवित्र आत्मा का बपतिस्मा आ जाता है, तो उसने उसे लोगों में रखा। और अब उन्होंने उसे बाहर कर दिया, जब उसने खुद को दिखाना आरंभ किया, कि वो कल, आज और युगानुयग के लिए एक है। उन्होंने उसे बाहर कर दिया क्योंकि वे संप्रदाय हो गये है, और वो—वो प्रभु का आत्मा उनके संप्रदाय से सहमत नहीं होता है। अब क्या आपने समझा? [सभा कहती है, "आमीन।"—सम्पा।] कि, उन्होंने उसे बाहर रखा। "हम इस दुरानुभूति (टेलीपेथी) के

साथ कुछ लेना देना नहीं रखना चाहते हैं। यह—यह तो का शैतान है। यह ज्योतिषी–विद्या है। या... " देखा?

वे नहीं समझते हैं। "आंखें है, और नहीं देख सकते हैं; कान है, और सुन नहीं सकते।" समझे? परमेश्वर केवल उनकी आंखें खोलता है जिसे वह चाहेगा। "वह कठोर होता है, जिसे वो कठोर करता है, जिसे वो चाहता है, और—और—और उन लोगों को जीवन देता है जिसे वो चाहता हैं।" यही है जो वचन ने कहा।

51 अब, हम इस समय को देखते हैं कि जिसमें हम है, इस पड़ाव में, और हम देखते हैं कि यह क्या था। और पवित्र आत्मा उस युग को फटकार दे रहा है, जिसने उसे बाहर रखा है। लेकिन, उस सब में, क्या आपने ध्यान दिया, "वो जो जय को पाता है"? [सभा कहती है, "आमीन।"—सम्पा।] यहां तक कि उस सांसारिक, दुष्ट कलीसिया के युग में, "वो जो जय को पाता है।"

52 हम यहां पाते हैं कि परमेश्वर के पास हमेशा ही जय पाने वाले लोग थे। उसके पास हर एक युग में जय पाने वाले लोग थे। वहां हमेशा ही, हर समय, हर युग में, धरती पर यहाँ रहते आये हैं, परमेश्वर के पास हमेशा ही कोई तो था, एक धरती पर गवाह के रूप में जिसे वो अपने हाथ पर रख सकता है। वो कभी भी गवाह के बिना नहीं रहा है, हालांकि कभी–कभी केवल एक ही था। लेकिन अब किसी को तो जय पाना है, पुराने समय के संतों की तरह।

53 और एक—एक बहुत ही भला मनुष्य, एक विद्वान कह रहा था, *सात मोहरों* के बाद, उसने कहा, "भाई ब्रन्हम, आप एक टाइपिस्ट, मेरा मतलब चिन्हों के अध्यन करने वाले या अनुवादक है," (टाइपोलॉजिस्ट), कहा, "आप संसार में कलीसिया को एक रूप से कैसे रेपचर में रखने जा रहे हैं, बिना महासंकट के समय के? " उसने कहा...

आप देखे, यदि यह एक नमूना है, तो वहाँ होना चाहिए... वहाँ... यदि वहाँ विरोधी है तो उसका एक नमूना होना है, उस विरोध को वहां से आने के लिए एक नमूना होना चाहिए। और जो कुछ भी मैं कहता हूं, यह सच है, एक नमूना है। इसका एक नमूना है। आपके पास छाया है। और बाइबिल ने कहा, "पुरानी चीजें आने वाली नई चीजों की छाया थीं।"

उसने कहा, "लेकिन अब आप पुराने नियम को एक छाया के रूप में लेते है। अब," उसने कहा, "आप इस कलीसिया के साथ क्या करने जा रहे हैं?"

54 यह मनुष्य आता है... एक बड़ा मनुष्य, एक बड़ा शिक्षक, जो मेरा एक जिगरी मित्र है, जो बहुत ही भला मनुष्य है, और वो एक प्यारा भाई है। मैं भाई के विरोध में एक शब्द कहने की हिम्मत नहीं करूंगा। कुछ भी हो मैं नहीं करूंगा। एक तरह से... एक मसीह की नाई, मैं उसके विरोध में कुछ भी नहीं कहूंगा। वो—वो—वो उस विषय पर मुझसे सहमत नहीं है, लेकिन वो मेरा बहुमूल्य भाई है। हम एक साथ भोजन करते हैं। और, ओह, वो बस एक आकर्षण व्यक्ति है। मैं उसकी पत्रिका को लेता हूं, इसके लेख को पढ़ता हूं। और वो मेरी कुछ बातों को लिखता है, और इत्यादि। और मैंने उसके लेखों में से बहुत कुछ लिया है, जो मैंने—मैंने उसके लेखो में पढ़ा है, उसे कहते सुना है। वो एक अच्छा मनुष्य है, लेकिन वो बस मुझसे सहमत नहीं हो सकता है। मैं उसकी ईमानदारी की सराहना करता हूं। हालांकि वो बस इन बातों को आसानी से नहीं लेता है, कि बस उससे सहमत हो जाये, आप जो कुछ भी कहते है। उसके पास अपना दृढ़ विश्वास है, और वह इसके लिए खड़ा है। मैं इसकी सराहना करता हूं। और वो एक भला मनुष्य है। ओह, मैं—मैं शिक्षक या विद्वान नहीं हूं, लेकिन यह व्यक्ति शिक्षक और विद्वान दोनों है।

55 लेकिन मैं—मैं उससे सहमत नहीं हो सकता, क्योंकि मैं इसे नहीं देखता। लेकिन, यह उद्धार से संबंधित नहीं है, यह प्रभु के आगमन से संबंधित है। वो देखता है कि कलीसिया को शुद्धिकरण के लिए महासंकट के काल से होकर जाना है। मैं कहता हूं कि यीशु के लहू ने कलीसिया को शुद्ध किया है। समझे? इसकी कोई आवश्यकता नहीं...

मैं विश्वास करता हूं कि जो कलीसिया महासंकट काल से होकर जाती है, वो संप्रदाय कलीसिया है, लेकिन दुल्हन नहीं जाती है। क्या आप एक स्त्री को चुनेंगे इससे पहले आप उससे विवाह करे, आपको पहले शुद्ध होना था? देखा? मसीह की दुल्हन चुनी हुई है, और वो निर्वाचित हैं। और वह परमेश्वर की दुल्हन है, यीशु मसीह की दुल्हन।

56 और अब उसने कहा, "आप उसे कैसे नमूना देंगे, यदि वो दुल्हन आगे जाती है, ऊपर जाती है, इससे पहले कि महासंकट के काल से होकर

जाये? " कहा, "मेरे पास वचन है जो आपको दिखाता है कि कलीसिया महासंकट के काल में है।"

मैंने कहा, "तब छठवी मोहर को पढ़ें, बस इतना ही, वह ठीक वहां महासंकट के काल नीचे है। लेकिन देखे, ठीक इससे पहले, दुल्हन चली गयी है। देखा? वो उस समय पर महिमा में होती है। उसके पास शुद्धिकरण नहीं है।" देखा?

"वो जो मुझ पर विश्वास करता है, उसके पास अनन्त जीवन है, और वो दोषी या न्याय में नहीं आयेगा, लेकिन मृत्यु से जीवन की ओर चला गया है।" मसीह ने प्रतिज्ञा दी कि हम न्याय पर खड़े भी नहीं होंगे। सो उसने उदारता से मेरी जगह को ले लिया, जब तक मैं पूरी तरह से आजाद नहीं हो गया। जब मुझे क्षमा कर दिया गया, तो मैं क्षमा किया गया हूं। कैसे वह मुझे गिरवी रखने के दुकान से बाहर ले जा सकता है, उसके पास एक साफ रसीद है, यदि... कैसे वो मेरा छुड़ाने वाला बन सकता है, और मुझे गिरवी रखने के दुकान से ले जा सकता है, और दलाल अभी भी कहता है कि मैं उसका हूं? मेरे पास एक लिखित रसीद है, आमीन, यीशु मसीह के लहू से लिखी गयी। देखा? अब, उसमें, जहाँ हम आते हैं।

उसने कहा, "अब, आप उसे कैसे पायेंगे, चुनी हुई दुल्हन को अलग करेंगे, जिसके बारे में आप अब बात कर रहे हैं, आप इसे कैसे एक नमूने के तहत रखने जा रहे हैं? "

57 मैंने कहा, "बहुत अच्छा।" मैंने कहा, "यहाँ है यह। अब, मत्ती 27 वें अध्याय और 51 वे पद में।" यदि हम...

मैं इसे पढ़ता हूं, और तब हमें—हमें सही पता चलेगा। तब हम देखते हैं कि यह नमुना था या नहीं, या यह चुनी हुई दुल्हन है। मत्ती, 27 वा अध्याय और 51 वा पद। तो ठीक है। हम इसे पढ़ते हैं, हमारे प्रभु के क्रूस पर चढ़ाये जाने पर।

और देखो मन्दिर का परदा ऊपर से नीचे तक फट कर दो भाग हो गया;...

58 अब, वो नियम था। वो नियम वहां समाप्त हो गया। क्योंकि, पर्दे ने परमेश्वर के पवित्र चीजों से सभा के लोगो को अलग रखा था। केवल एक अभिषिक्त याजक वहां अन्दर जाता, और, यह वर्ष में एक बार होता था। क्या याद है? [सभा कहती है, "आमीन।"—सम्पा।] अब, परमेश्वर,

अपने खुद के हाथ से, ध्यान दें, "ऊपर से नीचे तक," नीचे से ऊपर तक नहीं। यह कुछ चालीस फुट ऊंचा है। ध्यान दें, नीचे से ऊपर तक नहीं, लेकिन "ऊपर से नीचे तक" ये दिखाता है कि यह परमेश्वर के द्वारा किया गया था। पर्दे को दो भाग में चीर दिया, फिर यदि, कोई भी, जो भी चाहे, आ सकता है और उसकी पवित्रता का हिस्सा भागीदार हो सकता है। समझे? तो ठीक है।

... ऊपर से नीचे तक फट कर दो टुकड़े हो गया: और धरती डोल गई और चटानें तड़क गईं।

और कब्रें खुल गईं; और सोए हुए पवित्र लोगों की बहुत लोथें जी उठीं।

और उसके जी उठने के बाद वे कब्रों में से निकलकर... पवित्र नगर में गये, और बहुतों को दिखाई दिए।

59 यह वो चुना गयी है, वो दुल्हन। ना ही उस समय पर वो सारी यहूदी कलीसिया ऊपर आती है। उन सभी ने एक समान बलिदान को चढ़ाया। वे सभी मेमने के बहाए हुए लहु के नीचे थे। लेकिन एक चुना हुआ झुण्ड था; और वो चुना हुआ झुण्ड, जैसे ही वो घटना घटित होती है, जिन्होंने वास्तव में सच्चाई से इसका विश्वास किया था। अब मैं इस शब्द पर आ रहा हूं *जय पाना*। अब पकडे रहना। ये, जिन्होंने वास्तव में जय पायी थी, सच्चाई से उसी भेंट को चढ़ाते थे, जो बाकी के लोग चढ़ाते थे, लेकिन, सच्चाई से, संसार की चीजों पर जय पायी थी। जब उनके लिए संतुष्टी की भेंट सही रीति से तैयार की गई थी, वे स्वर्ग में थे तब तक के लिए जब तक उस समय में इसे नहीं दिखाया जाता है। जब वो समय तैयार किया गया, उन्होंने जय पायी थी, और विश्राम कर रहे थे, सो रहे थे; देखो, "बहुत से लोगों के शरीर उस मिट्टी में सोये हुये है," देखो, सोये हुए।

60 अब, यदि हमारे पास समय होता था, तो हम दानिय्येल के पास वापस जा सकते थे, जब दानिय्येल, जो कि चुना हुआ था, उसने जय पायी थी। और उसने कहा, "दानिय्येल, पुस्तक को बंद करो, क्योंकि तुम अपने बडे झुण्ड में विश्राम को पाओगे। लेकिन जब राजकुमार आएगा, जो लोगों के लिए खड़ा होगा, तो तुम उस बडे झुण्ड में खड़े रहोगे।" यहाँ है ये। दानिय्येल, परमेश्वर के इस भविष्यवक्ता ने अंत के समय को आते हुए देखा। और उसने कहा, "दानिय्येल, तुम उस दिन पर बडे झुण्ड में खड़े

रहोगे।" और यहां वह था, ऊपर आते हुए; सारे इस्राएली नहीं, लेकिन इस्राएल के दुल्हन का नमूना। अब बाकी का इस्राएल ऊपर नहीं आता है, जब तक सार्वजानिक पुनरुत्थान नहीं होता हैं।

61 और अब, प्रभु यीशु के आगमन पर, जो वास्तव में उनके आगमन से प्रेम करते हैं, वो इसके लिए जी रहे है; जब वह आकाश में उपस्थित होता है, तो कलीसिया जो मसीह में मरी है, जिलायी जाएगी, और वे पल भर में बदल जायेंगे। उनमें से बाकी के इसके बारे में कुछ भी नहीं जानेगे। याद रखे, "शहर में उन लोगों को दिखाई दिये।" देखा? वो—वो—वो रेपचर इस तरह से होगा। हम एक दूसरे को देखेंगे, और हम उन्हें देखेंगे। बाकी का संसार उन्हें नहीं देखेगा। ये दूर उठा लिए जायेंगे जैसे एक गुप्त में हो रहा होगा। उस समय के लिए रुके है!

उसके बाद उस महिमामय सहशताब्दी के लिए धरती पर लौट आयेंगे, फिर हजारों बर्ष... "बाकी के मृत एक हजार वर्षो तक नहीं रहेंगे।"

62 और फिर सार्वजानिक पुनरुत्थान आता है, जहां, सभी इस्राएली कब्र से बाहर आते हैं। और, वहां देखो, बारह प्रेरित, बारह आदरणीय प्रधान, सारे प्रतिनिधित्व करते है। और हम अभी तक कभी भी वहां नहीं पहुंचे है। हो सकता है, परमेश्वर ने चाहा तो, हम इस नियम में पायेंगे कि कैसे यशब (पत्थर) की दीवारें, और बारह पत्थर, बारह फाटक, बारह नींव, इसका प्रतिनिधित्व किया गया है। यहां पर वे बारह सिंहासन पर हैं, उनके समय के सन्देशवाहक दूत, उन लोगों पर न्याय करने के लिए जिन्होंने उनके संदेश को ठुकरा दिया था। आमीन। वहां पर वो महान घडी ऊपर आती है। जी हाँ।

63 क्या ही दिन है, क्या ही समय है जिसमें हम जी रहे हैं! हमें किस तरह से इसकी जांच करनी चाहिए, कलीसिया। अब हम इन आने वाले बातों के बारे में बात करते हैं, जो होने वाली है। अब, आज, आइये यहाँ वापस आते हैं और देखते हैं, खुद को जांचकर और देखें कि हम विश्वास में सही हैं या नहीं।

64 अब आइए कुछ समय के लिए कुछ जय पाये हुए लोगो के लिए बात करे, नुह के समय के दिनों में, जिसे यीशु मसीह के द्वारा आज के जैसे होने का नमूना बताया।

मुझे लगता है कि दस मिनट है। अब मैं आधे घंटे का समय लुंगा। मैं अपना पहला पन्ना अभी आरंभ कर रहा हूं। मैं उनमें से कुछ बातों को छोड़ दूंगा, यदि मैं कर सकता हूं तो। और लुंगा.जो...

65 नूह के समय में, जो आज का नमूना है: यीशु ने इसका उल्लेख किया, और कहा, "जैसा कि यह नूह के समय में था, वैसा ही मनुष्य के पुत्र के आने पर भी होगा। नूह के समय में, वैसा ही यह मनुष्य के पुत्र के आने पर होगा।" ध्यान दें, वहां सारे पुराने रुढ़िवादी लोगों का संसार था, संभवत: लाखो लोग थे, वहां आठ जय पाने वाले थे। आठ लोग जय पाने वाले हुए, जो सच्चे, असली जय पाने वाले थे। नूह के तीन पुत्र और उनकी पत्नियां, और नूह और उसकी पत्नी थे। आठ जय पाने वाले, जिन्होंने उचित समय पर जहाज में प्रवेश किया। उन्होंने इसे कैसे किया? उन्होंने परमेश्वर के वचन को सुना। वे दरवाजे के बाहर नहीं पाये गये थे। वे दरवाजे के अंदर पाये गये थे।

66 ओह, मेरे प्रिय मित्रो, उस दरवाजे को बंद न होने दें। यीशु ने कहा, "जैसा कि ये उस दिन में था, वैसा ही ये मनुष्य के पुत्र के आने पर होगा।" (धन्यवाद, भाई।) "वैसा ही ये मनुष्य के पुत्र के आने पर होगा।" अब, वहाँ कोई तो उस दरवाजे के बाहर पाया जायेगा।

उनमें से कई लोगो के पास अच्छे इरादे हो सकते थे, और कहा होगा, "किसी दिन, यदि ऐसी बातें घटित होती हैं, तो हम भाई नूह के साथ जायेंगे, क्योंकि वह एक अच्छा व्यक्ति है।" लेकिन, आप देखे, यह केवल आठ लोग ही अंदर पाये गये।

67 अब, जोर लगाकर सोचे। यदि आप ऐसे ही यहाँ वहां भटक रहे हैं, ढीले हो रहे हो, अंदर आ जाओ। शिघ्रता से, जल्दी करो, क्योंकि दरवाजा किसी भी समय बंद हो सकता है।

68 और हमेशा ही परमेश्वर की अर्थव्यवस्था में एक जहाज रहा है। नूह के दिनों में एक जहाज था, उनके लोगों को बचाने के लिए। नियम के दिनों में एक संदूक था, गवाही का सन्दूक। नियम के दिनों में, उन्होंने संदूक का अनुकरण किया।

और अब वहां तीसरा समय काल है; नुह के समय की तरह, लूत का समय, और अब ये समय। अब एक सन्दूक है, और वह सन्दूक एक संप्रदाय नहीं है, ना ही यह एक अच्छे काम है जो आप करते हैं। ये "एक आत्मा के

द्वारा है," रोमियों 8: 1, "हम सभी ने एक देह में बपतिस्मा लिया है, उस राज्य के अधिकार में, एक आत्मिक बपतिस्मा।" कोई फर्क नहीं पड़ता कि कितना अच्छा है, कितना बुरा है, जो भी हो, आप पवित्र आत्मा के बपतिस्मा द्वारा उस राज्य में है। देखा? इसी एकमात्र तरीके से आप जय पाते हैं। यह सब कुछ बहाये हुए लहू के नीचे जय पाते है, क्योंकि आप खुद से जय नहीं पा सकते हैं। ये वो है जो आपके लिए जय पाता है। आप विश्राम कर रहे होते हैं।

69 "फिर मैं कैसे जानूंगा, भाई ब्रन्हम, कि मैं उस में हूं? " देखो कि आप किस तरह का जीवन जी रहे हैं। एक बार यहाँ वहां देख ले। देखें क्या यह अपने आप आपमें से बाहर आता है। या, क्या आपको तनाव होता है और खींचना पड़ता है, देखो, तब इसे आप कर रहे हैं। लेकिन ऐसा करने की कोशिश मत करो। क्या आपने कभी कोशिश की? जी हाँ। मत करो।

70 ये बस एक आस्तीन के छेद में छोटे बच्चे के हाथ डालने की तरह है, आप देखे। वह बस ऊपर, नीचे, उसके ऊपर, और वो सब कुछ करता है। समझे? वह इसे नहीं कर सकता है। "प्रिय अपने कोट को पहन लो।" वह इसे नहीं कर सकता है। छोटे–छोटे हाथ ऊपर, नीचे, यहाँ वहां जायेंगे। यह आपके संतुलित हाथ को लेता है।

ओह, मैं कितना खुश हूं, मैं बस पिता को अपना हाथ सौप सकता हूं, कहते हुए, "हे प्रभु यीशु, मैं वहां हाथ को नहीं डाल सकता हूं। आप मेरी सहायता करे। मुझे कोट पहनाये।" मैंने कोशिश करना छोड़ दिया है। केवल उसे इसे करने दो। समझे?

71 यदि वो छोटा बच्चा कोशिश करता रहता है, "ओह, मैं इसे कर सकता हूं। मैं कर सकता हूं।" और वह बस हर कही हाथ डालता रहेगा। वह इसे नहीं कर सकता।

ना ही आप कर सकते हैं, ना ही मैं कर सकता हूं, लेकिन यदि हम शांत खड़े रहे और उसे इसे करने दें। केवल उसे सौप दे, "यहां, प्रभु, मैं यहाँ हूं। बस—बस मुझे कुछ भी नहीं होना है। मैं—मैं सौपता हूं। आप मेरे हाथ उस सही स्थान पर डाले।" यही जीत है। यही जय पाना है।

72 जिस चीज़ पर आप को पाना हैं वह आप स्वयं है, आपका विचार, आपकी बातें, और अपने आप को उसे समर्पण करना। उसने तुम्हारे लिए जय को पाया है। वह मार्ग को जानता है; हम नहीं जानते।

73 लेकिन नूह के समय में वहां आठ जय पाने वाले थे, और यही है जो अन्दर पाये गये थे। वे अंदर पाये गये।

अब देखो मित्रो। मैं सोचता हूं वे इसे टेप कर रहे है। और क्या यह टेलेविज़न पर होगा और नहीं... मुझे क्षमा करना टेप में होगा। जो भी आप करते है, वे जो अब सुन रहे है, और वे जो बाद में सुनेगे, देर हो चुकी है, आपके पास अच्छा उद्देश्य होगा, लेकिन अन्दर पाया जाना है। अब, संघर्ष ना करे। "ना ही जो चाहता है, या जो दौड़ता है लेकिन परमेश्वर जिसे चाहे।" बस परमेश्वर को करने से, केवल अपने आप को उसे सौप दे और आगे चलते रहे, एक सिद्ध संतुष्ट विश्वास के साथ, कि, "जो परमेश्वर ने प्रतिज्ञा की है वो उसे पूरा करने में सक्षम है।" ना ही एक संस्था से जुड़ना, दूसरी संस्था से, *इधर* दौड़ना, *उधर,* और कही और, *इसे* परखना। केवल परमेश्वर को खुद को सौप दे, और उसके साथ चले, शांतिपूर्वक, चुपचाप, बिना रूकावट किये। बस उसके साथ चलते रहे। सह सही बात है।

74 यही है जो मैंने हमारे भाई को बताया, जो तब टूट कर रो पड़ा था। समझे? "केवल उसे सौप दो। वो यहाँ पर है। वो ही है, जो जानता है कि आपने क्या किया है और आपके ऐसा होने के कारण और *इस* तरह से करने को क्या कारण है, वो सब। वो आपके बारे में सब जानता है, और उसने आपको अभी पीछे बताया है कि क्या करना है। अभी," मैंने कहा, "केवल एक ही बात है जो तुम्हें करना है बस जाकर इसे करे। ऐसा है, अपने सारे अतीत को भूल जाये, चलो, भविष्य के लिए जीये, महिमा और प्रभु की उपस्थिती में।"

आठ जय पाये हुए लोग।

75 उस दिन दानियेल के समय में, वहां चार जय पाये हुए लोग थे, जो आग और सिंह की परीक्षा में खड़े हो सके थे।

अब हम परीक्षा के होने की अपेक्षा में है। यह मेरे भाई के लिए भी वहां पीछे एक अच्छा सबक है। "वह जो परमेश्वर के पास आता है, उसकी पहले परीक्षा होनी ही है।" परीक्षा होना (किससे?) वचन से। यही परमेश्वर की परीक्षा है। क्या आप इसे विश्वास करते हो? [सभा कहती है, "आमीन।"—सम्पा।] "वह जो परमेश्वर के पास आता है, उसकी पहले परीक्षा होनी ही है।" तब यही केवल एक सच्ची संतान को दिखाता है, परीक्षा होना है। और जब परीक्षा आती है... आप जय नहीं पा सकते है, जब

तक आपको एक परीक्षा ना दी जाये। और जब परीक्षा दी जाती है, तो यह देखना है कि आप जय पा सकते हैं या नहीं। और यीशु ने कहा, "जो जय पाता है," उस परीक्षा में। वो परीक्षा ही सबसे बड़ी बात है, जो कभी आपके साथ होती है। मैं सोचता हूं कि यह वचन में लिखा गया है, पतरस ने कहा, "हमारी परीक्षा बहुमूल्य सोने की तुलना में हमारे लिए अधिक मूल्यवान हैं।" यह एक परीक्षा का समय है। ये हमारे लिए एक अच्छा प्रमाण है कि जब हमारी परीक्षा होती हैं, तो परमेश्वर हमारे साथ हैं, क्योंकि परमेश्वर की सारी संतान की परीक्षा होनी है और परखा जाना है।

76 और दानिय्येल, एक मनुष्य, एक भविष्यवक्ता; शद्रक; मेशक; और अबेदनगो; दानिय्येल भविष्यद्वक्ता था; और यही उस दिन की कलीसिया का आकार था, मेरा मतलब है, दुल्हन। वहां बहुत सी कलीसियाये थी, उनमें से बीस लाख वहां निकल गये। लेकिन वहां... यही वो जय पाने वालो का आकार था। और उन जय पाने वालो को परीक्षा में डाला गया है। और हर जय पाने वालो को परीक्षा में डाल दिया जाना चाहिए। और जब उन्होंने कहा, "तुम उस बात को वापस लो जो वचन कहता हैं, या तो आग की भट्टी में फेंक दिया जायेगा," उन्होंने सब कुछ इंकार कर दिया पर वचन को नहीं।

77 और जब दानिय्येल को परीक्षा दी गई, तो उसे वापस लेना चाहिए जो वचन ने कहा था, कि उन्हें मंदिर की तरफ झुकना चाहिए, जैसे सुलैमान ने प्रार्थना की, और वो उन्हें सारी बातों से छुडाएगा। परमेश्वर स्वर्ग से सुनेगा यदि वे झुके तो... मंदिर की ओर देखकर और प्रार्थना करें। और कहा, "यदि कोई व्यक्ति इन दिनों के भीतर प्रार्थना करता है... और हम मादी–फारसियां हैं, जो हमारे नियमो को अदल–बदल नहीं सकते हैं। उस मनुष्य को शेर के गुफा में फेंक दिया जाएगा।"

78 उन्होंने उसके लिए एक जाल को बिछाया। मैं विश्वास करता हूं कि भविष्यवक्ता को यह पता चल गया था। लेकिन उन्होंने उसके लिए एक जाल तैयार किया। वह नम्रता से चला। जब उसके प्रार्थना करने का समय आता है... जब, वह जानता था, जो उसका घर का स्थान है, यरूशलेम में, वहां वेदी पर जलती हुई बलिदान था। दानिय्येल उन भेदियो से नहीं डरता था। पर्दों को ऊपर उठाया, और किवाड़ को पीछे फेंक दिया, और नीचे घुटनों को टेककर परमेश्वर की हाथों को उठाया और प्रार्थना की। क्यों? जीना या

मरना, उसके पास जीत थी। और, सो, इतनी ज्यादा विजय, इतना तक कि शेर भी उसे नहीं खा सके। उसने—उसने जय पायी।

79 वो... शद्रक, मेशक, अबेदनगो के पास इतनी बड़ी जीत थी, शेर तक... इतना तक आग भी उन्हें जला नहीं सकी। आप जानते हैं, जीत एक मुश्किल बात है जल जाने के लिए या खा जाना, या जो कुछ भी। देखा? तो, उनके, उनके पास जय थी।

80 मैं एक और चरित्र का उल्लेख कर सकता हूं। लूत के दिनों में, यीशु ने इसका उल्लेख किया, वहां केवल तीन ही थे, जिन्होंने जय पायी, लूत और उसकी दो पुत्रियाँ। उसकी पत्नी भी नहीं; उसने जय नहीं पायी। उसने—उसने आरंभ भी किया था। वो एक नमूना है। काश हमारे पास समय होता था। ठीक अभी मैंने तीस मिनट पूरे किये हैं। देखा? देखा? उसने, उसने सब ठीक किया, वो निकल गयी।

81 अब मुझे ये आपको बताना है, एक क्षण रुकना। आप में से बहुतो ने भी छोड़ दिया है। आप में से बहुतो ने इन चीजों को छोड़ दिया, अपने स्थान को लेने के लिए, वचन के जरिये से इसे जांचने के बाद और देखा कि यह सही है। आपने सर्वशक्तिमान परमेश्वर के प्रमाणित होने को देखा; ना किसी के द्वारा, जो किसी ने *बताया* कि एक प्रमाणित था। बाइबल जो कहती है वो होगा, और यहां ये इसे कर रहा है। आपने इसे देखा यह सच था। तो, आप बाहर निकल आये हैं, सदोम को छोड़ने के लिए, संप्रदाय को छोड़ने के लिए, उन चीजों को छोड़ने के लिए जो आपको एक सिद्धांत से बांधते हैं; और मसीह के पीछे चलना, पवित्र आत्मा के द्वारा, खुद को परमेश्वर के लिखित वचन से प्रमाणित करते हुए। दूसरे शब्दों में, आपने सिद्धांत के बजाय बाइबल को लिया है। आप बाहर निकले, ताकि उसका अनुकरण करे।

82 सो, लूत की पत्नी ने उसी काम को किया, आप जानते है। वह लूत के साथ जाने के लिए बाहर निकली, अपने पति, उसके बच्चों, उसके प्रियजनों के पीछे चलने लगी, लेकिन ये उसके ह्रदय में नहीं था। वो अभी भी संसार से प्रेम करती थी। इसलिए ये संभव है कि आप एक आरंभ कर सकते है, और फिर भी आप में संसार हो सकता है। देखा? उसने कभी भी जय नहीं पायी थी। और यहाँ तक वह मार्ग पर भले ही अच्छी तरह से थी, इसने अत: उसे पराजित कर दिया। उसे उस एक बडे, लंबे समय तक, आखिरी

निगाह को डालना था। यही है जहाँ पर वो रुक गई। यहाँ तक पीछे भी मत देखो। कोई इच्छा नहीं रखे। आगे चलते रहे। केलवरी पर अपना ध्यान रखें और मसीह की ओर बढ़ते रहें। समझे?

83 उसने एक जय पाने वाले के रूप में आरंभ किया, लेकिन उसने कभी भी जय नहीं पाई। ओह, उसने संप्रदाय को छोड़ दिया। उसने छोड़ा। वह लूत के साथ सदोम से बाहर निकल कर आई। लेकिन वो वापस जाकर और अपने बाल को कटवाना चाहती थी। आप जानते हैं कि मेरा क्या मतलब है। समझे? उसे वापस जाना पड़ा। वह परीक्षा में स्थिर नहीं खड़ी हो सकी। उसे मुड़कर फिर से देखना था, यह देखने के लिए कि उनमें से बाकी लोग क्या कर रहे थे। "ओह, आप जानते हैं, आखिरकार, मेरे वहां कुछ अच्छे मित्र थे। और, आखिरकार, ये कुछ—कुछ ही कदम हो सकते है। मैं नहीं जानती कि यह सही हो सकता है या नहीं। मुझे इसके लिए मेरे पास केवल इस मनुष्य के शब्द है, हालाँकि वो मेरे पति है। लेकिन फिर भी... " आपका पास्टर आपका पति है, आत्मिक रूप से बोल रहा हूं, आप देखे। "अब, चाहे यह सही हो सकता है या नहीं, मैं नहीं जानती। हो सकता है वो, उसका प्रकाशन सही नहीं था।"

फिर, यदि आप पूरी तरह से संतुष्ट नहीं हैं, तो आप पूरी तरह से नहीं जानते हैं कि यह परमेश्वर का वचन है, तब—तब आप नहीं जा सकते है। देखा? आपको वास्तव में सब कुछ दे देना चाहिए। आपको जानना चाहिए। केवल इतना नहीं मत कहो, "तो, मैं दूसरों को इसे करते देखता हूं। मैं एक चिन्ह देखता हूं।"

84 आप जानते हैं, इस्राएल बाहर निकला, मैं उसी बात को कह सकता हूं और इसे यहाँ ला सकता हूं। वे बाहर निकले, बीस लाख मजबूत, और दो पुरुषों के साथ समाप्त हुआ। सही है। उन्होंने परमेश्वर के कामों को देखा। उन्होंने आत्मा का प्रकटीकरण देखा। उन्होंने मिस्र में महान और शक्तिशाली अद्भुत कार्यो को वहां होते हुए देखा, और सबकुछ, और बाहर निकले। लेकिन ये—ये उनके ह्रदय में नहीं था। उन्होंने जय को नहीं पाया। वे केवल बाहर निकले। और यीशु ने कहा, "और वे जंगल में नाश हो गये," और अनंता के लिए मर गये। "उनमें से हर एक जन मरा हुआ है," इसका अर्थ है अनंत काल का अलगाव। उनमें से हर एक जन जंगल में सड गया।

85 लेकिन वहां दो पुरुष थे यहोशू और कालेब। और जब ये बलपरीक्षा की बात आयी, वे बाधाएं इतनी बड़ी थी इतना तक कि वे उनके सामने टिड्डी की तरह लग रहे थे। यहोशू कालेब के साथ चिल्ला उठा, और कहा, "हम इसे करने में सक्षम हैं।" क्यों? "परमेश्वर ने ऐसा कहा है।" और वे जय पाने वाले थे। उन्होंने जय पायी। वही वे एक थे जिन्हें सौभाग्य मिला था, लोगों के उस बहुत बडे संगठन से बाहर निकलने का, ताकि वास्तविक, चुनी हुई दुल्हन को प्रतिज्ञा किए गये देश में लेकर जाये। यहोशू और कालेब वहां दो जनरलों के रूप में आगे की क़तार में थे, उन्हें वहां सीधे नदी की ओर लेकर गये, और नदी को पार किया, वहां प्रतिज्ञा देश के अन्दर। क्यों? उन्होंने वचन पर विश्वास किया, कोई फर्क नहीं पड़ता जो भी हो।

86 तब, दातान उठा मेरा मतलब दातान खड़ा हो गया, और कोरह भी खड़ा हो गया, और उन्होंने यह कहने की कोशिश की, "यह मनुष्य हम बाकी सभी लोगो के ऊपर अपने आप को ऊपर लाने की कोशिश कर रहा है; कि वो उन सभी लोगो के मुकाबले ज्यादा पवित्र है।" ऐसा परमेश्वर के द्वारा उस मनुष्य को पूरी तरह से प्रमाणित करने के बाद था। उन्होंने कहा, "हम बस एक लोगो का झुण्ड आरंभ करेंगे और हम *ये* बनायेंगे, *वो*, या *कुछ* और बनायेंगे, और हम अपने संगठन बनायेंगे, हम करेंगे... " और वे मर गये और नाश हो गये।

लेकिन उन पुरुषों के पास परमेश्वर का वचन था, और वे इसके साथ बने रहे, और वे वहां चले गये।

"ना ही वो जो आरंभ करता है, वो जो समाप्त करता है।" बहुत से लोग दौड़ आरंभ करते हैं, लेकिन एक इसे समाप्त कर रहा होता है। वहां बहुत सी कलीसियाये आरंभ होंगी, बहुत से लोगों के झुण्ड। एक झुण्ड समाप्त करेगा। यही जय पाने वाले है।

87 लूत के दिन, जी हाँ, उसे पीछे मुड़कर बहुत दूर तक देखना था, बहुत समय तक देखती रही। "ओह, मैं वहां *फलां–फलां* को पीछे छोड़ रही हूं, हमारे पास अच्छा समय हुआ करता था। मैं इसे कभी नहीं भूलूंगी।" और वो वही रुक गयी, बाहर अटक गयी, जैसे नूह के दिनों में था, वह बाहर ही अटक गयी, बिना दया के, और वह नाश हो गयी। और वो ढेर आज भी वहां खड़ा है। वे दावा करते है (मैं नहीं जानता) आप उसका एक टुकड़ा

तोड़ सकते हैं, और यह वापस बढ़ जायेगा, जो एक नमक का खंभा है। आपने कभी *सदोम और गमोरा* की तस्वीर देखी है, आप वहां पर खड़े मूल नमक के खंभे को देखेंगे।

88 अब, वहां नमक के खंभे और आग के स्तंभ के बीच एक अंतर है। देखा? आपको एक ही रास्ते की तरफ मुड़ना होगा। जी हाँ।

89 ध्यान देना, यूहन्ना बपतिस्मा देने वाले के समय में। यूहन्ना बपतिस्मा देने वाले समय में, वहां छः पाये गये जिन्होने जय प्राप्त की थी। सारे युगों में, उन्होंने जय पायी थी। यूहन्ना के समय में उनके पास छः था, जो यूसुफ और मरियम, जकरिया और इलीशिबा, शिमोन और हन्नाह थे। एक पुरुष और एक स्त्री एक पुरुष और एक स्त्री, एक पुरुष और एक स्त्री; देखें, मसीह, कलीसिया का नमूना; मसीह, कलीसिया; मसीह, कलीसिया; मसीह, कलीसिया। देखा? समझे?

90 ध्यान दें, यह स्वाभाविक मनुष्य से आरंभ होता है। नहीं, मू... यूसुफ, स्वाभाविक मनुष्य, यूसुफ, वह क्या था? एक बढ़ई। तब वो याजक, वह क्या था, समझे? प्रभु के भवन में एक सेवक; जकरिया। और वहां पर, वो शिमोन के लिए, एक भविष्यद्वक्ता और भविष्यद्वक्तनी। देखा? ... ? ... धर्मीकरण, पवित्रीकरण, पवित्र आत्मा का बपतिस्मा। आमीन। क्या आप इसे नहीं देखते हैं? [सभा कहती है, "आमीन।"—सम्पा।] पूरी तरह से। छह जय पाने वाले। वे बाकी के सारे उन्होंने अपने बलिदान को चढाये और इत्यादि, लेकिन इन्हें चुना गया था। उन्होंने जय पायी।

91 हर एक कलीसिया युग पर ध्यान दें। वही जयवंत लोग जब वे, हर पुत्र, हर एक युग से, उस उस युग के परीक्षाओं से जयवंत हुए। मेरे पास यहाँ वचन है। मैं समझता हूं कि हमारे पास इसे करने का वास्तव में समय नहीं है, लेकिन हम कलीसिया काल में से हर एक को जानते हैं। वैसे ही अब है। यह बस ऐसा है जैसे कोई तो जो...

92 देखो, जैसा कि मैंने आरंभ में कहा था, आप हारे हुए जन्मे हैं। और वो जन्म आपको कभी भी जीवन में—में नहीं ला सकता है, क्योंकि आप हारे हुए जन्मे हैं। और आप एक हारे हुए संसार में हैं, हारे हुए लोगों के बीच, हारी हुई संस्थाओ के बीच, हारे हुए संप्रदायें। आपको किसी तरह से जीत के लिए आना होगा।

93 यह एक कमल की तरह है। कहां है... मै सोचता हूं कि एक कमल, वहां सबसे सुंदर फूलों में से एक होता है। मैं उन बहुत बढ़िया कॉलला कमल और तालाब के कमल का बहुत ही चहेता हूं। मैं सोचता हूं कि शायद ही कोई इतना सुंदर है जितना कि ये एक बहुत बड़े तालाब का कमल होता है, इसे जल कमल कहते हैं। क्या ही ये तेजस्वी होता है! अब, यह कहां से आता है? यह एक छोटा सा बीज है, जो एक गंदे, कीचड़ के तालाब के तल में नीचे होता है, और उस वक्त उस छोटे से बीज में, उस समय वो तेज होता है, जब वो उस कीचड़ में होता है, जो कभी चमकेगा। लेकिन इसे रोजाना प्रयास करना है, यह जानते हुए कि कुछ तो है। जो काला है। जो गंदा है। यह कीचड़ से भरा है। यह चिकनी मिट्टी है। उस चिकनी मिट्टी में ये रहता है, फिर भी, यह उस कीचड़ में से, गंदगी में से, और पानी, मैले–गंदे स्थानो में से होकर मार्ग बनाते हुए आगे निकालता है, जब तक कि यह उस प्रकाश में अपने सिर को ऊपर नहीं लाता है, और उस चीज को व्यक्त करता है जो इसमें हर समय से छिपा हुआ था।

94 मैं सोचता हूं कि यही एक जय पाने वाला होता है, जो, एक बार पाप में था, एक बार उन चीजो को किया जो गलत थीं, अब इसके बारे में चिंता न करें। एक बार उन चीजो को किया जो गलत थीं, तो अब उस तालाब में फिर से क्यों देखें? देखा? देखो, आपके पास...

95 परमेश्वर, उसके पहले से ठहराये जाने के द्वारा, देखो, इस बीज को जीवन में लाया है, और ये अपने आप से आगे बढ़ रहा है, देखो, उस प्रकाश में आ रहा है। और अब, उन सभी के ऊपर, इसने जय को पाया है। देखा? ये खुद को *वहां* नीचे व्यक्त नहीं करता है। यह खुद को व्यक्त करने के लिए ऊपर आ रहा है।

न तो आपने व्यक्त किया, आपके पाप में, और व्यभिचार, और जो कुछ भी, जिसमें आप जीये थे। आपने कुछ भी व्यक्त नहीं किया। लेकिन वहां पर एक बीज था, और इसे प्रकाश में खुद को ऊपर में लाने का मौका मिला। और अब आप यीशु मसीह की उपस्थिति में हैं, पुत्र के प्रकाश के साथ। इसने उसे बाहर लाया, वास्तव में जो आप आरंभ में थे। आप समझे मेरा क्या मतलब है? आपने प्रकाश को देखा। आप खिल उठे। आपने अपना ह्रदय को खुला रखा, और अब आप एक कमल हो।

96 आपको कमल पर मेरा उपदेश याद है? आदरणीय कमल, वो कैसे कठिन परिश्रम करता है। "और, फिर भी, वो झुकाव नहीं लाता है। और फिर भी, सुलैमान, उसकी सारी महिमा में, इनमें से किसी एक की तरह नहीं था।" वो———वो—वो—वो—वो... उसकी ओर देखो। वह तैयार है... वह खुद से कुछ भी नहीं लेता है। वो कमल खुद के बारे में कुछ भी परवाह नहीं है। वो क्या करता है? वो अपनी सुंदरता को बाहर लाता है, उसका जीवन, जिससे दूसरे देख सकते है। उसका जीवन व्यक्त होता है, जिससे कि दूसरे महिमा को देख सके, जो उसमें उस कीचड़ में था। अब वह सबसे ऊपर है।

यही वो जय पाने वाला है। उसने कीचड़ पर जय पायी। उसने संसार की चीजों पर जय पायी। और अब वो स्वतंत्र रूप से खुद को बाहर लाता है। हर कोई उसे देख सकता है। उसका जीवन, आप उस पर उंगली नहीं उठा सकते हैं। देखा? वो एक सच्चा जय पाने वाला है। अब आप उसके बारे में कुछ भी नहीं कह सकते हैं। कहा, "वो कीचड़ से बाहर आया है।" लेकिन वह अब कीचड़ में नहीं है। वह इसके ऊपर है। आमीन। अब आप वापस उसकी ओर उंगली नहीं उठा सकते है जो वो था। वो अब क्या है? वो ऊपर है।

97 तब वो मधुमक्खी आती है और कहती है, "यह अद्भुत खुशबु है। मैं सोचती हूं कि मैं जाकर और अपने हिस्से को प्राप्त करूंगी।"

98 वो बस अपने ह्रदय को खोलता है, "अब आगे बढ़ो। ठीक है।" सब कुछ उसमें से बाहर आता है। देखा? वह, वह एक सच्चा पास्टर है। वह परमेश्वर की महिमा को व्यक्त करता है। और देखो वो कहाँ से आया है। उसे यह करने के लिए जय पाना था।

99 एक समय, वो (he) पुरुष या (she) स्त्री युवा थे और सुंदर, रूपवान थे। उनके पास उसमें से होकर जाने के लिए बहुत सारी परीक्षायें थीं, लेकिन उन्होंने उस पर जय पायी थी। देखा? उन्होंने जय पायी। अब वे अपने जीवन में मसीह की सच्ची सुंदरता को व्यक्त कर रहे हैं। ध्यान दें, कीचड़ में से होते हुए व्यक्त करना।

100 यीशु ने हमें उदाहरण दिया, इसे कैसे करना है। अब हम जानना चाहते हैं कि कैसे जय पाना है। यीशु ने हमें बताया कि इसे कैसे करें। देखा? नम्रता

से! खुद को एक तौलिया बांधकर और चेलो के पैरो को धोकर और उन्हें पोंछा। उसी स्वर्ग के परमेश्वर ने खुद को नम्र किया।

101 हम नम्र नहीं होना चाहते हैं। यही कारण है कि स्त्रियां नहीं चाहती हैं कि उनके बाल बढ़ जाये (देखा?); यही कारण है स्त्रीयों की तरह कपड़े पहनना नहीं चाहती हैं, जैसे उन्हें कपड़े पहनना चाहिए। जैसे, पुरुष नहीं चाहते हैं, देखो, ये वही बात है। वे नहीं करते। वे, उन्हें नम्र होना हैं।

लेकिन, यीशु, हमेशा ही! देखो वह कौन था। महानता! मैं कुछ कहने जा रहा हूं। नम्रता अपने आप में सबसे महान होती है। *महान* खुद को नम्र करता है। महानता!

102 मुझे कुछ बडे पुरुषों से मिलने का सौभाग्य मिला था। और ये वे लोग हैं जिनके पास बदले हुए कपड़े होते है, और उनके जेब में पचास सेंट होते हैं, और बकवाद करने के लिए, यही वो व्यक्ति है जो सोचता है कि वह कुछ तो है जब कि वो कुछ भी नहीं है। लेकिन मैं उस बडे व्यक्ति के पास खड़ा था, मेरा मतलब है वो बड़ा व्यक्ति उस फटी हुई आस्तीन, आस्तीन की कलाई के साथ है, वो महान पुरुष। वे आपको सोचने को लगायेंगे कि आप महान व्यक्ति हैं। देखा?

महानता ही नम्रता है। कलीसिया, यह मत भूलना। महानता नम्रता में व्यक्त हुई है, ना ही आप कितने अच्छे हो सकते हैं।

अब, मेरा मतलब गंदा नहीं है। मैं—मेरा मतलब आत्मा में नम्रता है। देखा? मेरा मतलब यह नहीं है कि बाहर जाकर और ना कभी धोये और साफ करें। यह, आपको इसे करना चाहिए। आप यह जानते हैं। देखा?

लेकिन मैं नम्रता, वास्तविक नम्रता, के बारे में बात कर रहा हूं, ना ही दिखावा। कुछ तो ऐसा, जो सच्ची नम्रता है।

103 यीशु ने हमें बताया कि यह कैसे करें। उसने जय पायी। मतलब... *जयपाने* का मतलब... "परीक्षा के लिए खडा होना," यह सही है; जैसा कि सारे पुराने संतों ने किया था; जैसे यीशु ने किया: उसके सारे शत्रुओ के बीच, वह परीक्षा में खड़ा था। हर एक चीज जो उसके विरोध में परीक्षा आयी, वह खड़ा हुआ था। उसी बीमारी के सामने, और वह मसीहा होने के कारण, उसने उन्हें चंगा किया। मृत्यु के सामने, उसने इसे वापस जीवन में लाया। केलवरी के सामने, उसकी अपनी मृत्यु को, उसने स्वयं को समर्पण करने के द्वारा इसे हरा दिया। क्यों? वचन के द्वारा। कहा, "तुम इस मंदिर

को गिरा दो, और मैं इसे तीन दिनों में खड़ा करूंगा।" वचन ऐसा कहता है। देखा? और मृत्यु का सामना करने में, उसने इसे हरा दिया। उसने मृत्यु पर जय पायी। अधोलोक का सामना करने में, उसने अधोलोक को हरा दिया और अधोलोक पर जय पायी। जी हाँ। कब्र का सामना करने में, उसने कब्र पर जय पायी। क्यों? सब कुछ वचन और नम्रता के द्वारा। ओह, प्रभु! वहां वो सच्चा मनुष्य है। वहां वो एक मनुष्य जो आपके लिए उदाहरण बनता है। देखा? उसने हर एक चीज को हरा दिया, इस पर जय पायी।

104 देखो, परीक्षाये उसके लिए थी। आप यह जानते हैं? बाइबल ने कहा, "उसकी हमारे जैसे हर स्तर से परीक्षा हुई थी, फिर भी बिना पाप के था।" उसकी शराब के द्वारा—द्वारा परीक्षा हुई। उसकी स्त्रीयों के द्वारा परीक्षा हुई थी। उसकी उस हर एक चीज के द्वारा परीक्षा हुई थी, जिसके द्वारा परीक्षा हो सकती है। उसकी हर एक चीज के द्वारा परीक्षा हुई, जो हमारी होती हैं। वो एक मनुष्य था, और फिर भी आप उस पर दाग नहीं लगा सकते। जी हाँ श्रीमान।

105 *जयपाने* का मतलब है "शैतान को उसकी हर चाल में पहचान लेना।" बहुत से लोग कहते हैं, "कोई शैतान नहीं होता है। यह तो केवल एक विचार है।" आप उस पर विश्वास मत करना। एक वास्तविक शैतान है। वो उतना ही वास्तविक है जितना आप हैं या कोई भी। एक वास्तविक शैतान, और आपको उसे वास्तविक पहचानना चाहिए। आपको जानना चाहिए कि वह एक शैतान है। तब, उसी समय जब आप—आप उसे पहचानते हैं, और जानते हैं कि वह एक शैतान है और वह आपके खिलाफ है, तब, जय पाने के लिए, आप को पहचानना चाहिए कि आप में जो परमेश्वर है उस शैतान से बढ़कर है, वो सबसे बडा और सामर्थी है, वही वो एक है, जो आपमें पहले से ही उस पर जय पा चूका है। और, उसके अनुग्रह के द्वारा आप उससे कुछ अधिक मेल खाते हैं। आमीन। जब आप पहचान जाते हैं, तो वास्तविक जय पाना होता है।

106 आप पीछे देखते है, कहते हैं, "मैं *यह* कर रहा हूं और मैं *ऐसा* कर रहा हूं," तब, नहीं, आप—आप, आप हार गये हैं।

"लेकिन जो मसीह यीशु में है उन पर कोई दंड की आज्ञा नहीं है, जो शरीर के अनुसार नहीं, लेकिन आत्मा के अनुसार चलते है।" तब आप जान जाते हैं कि आपने जय को पाया हैं।

और आप जानते हैं कि वो एक शैतान है। आप नहीं कह सकते, "मुझे एक बीमारी है, और मैं—मैं—मैं विश्वास नहीं करता कि यह एक बीमारी है।" ओह, हाँ, यह एक बीमारी है। आपको कैंसर है, आप "विश्वास नहीं करते कि यह एक कैंसर है।" यह एक कैंसर है। यह एक कैंसर है।

लेकिन, याद रखें, "वह बढ़कर है जो तुम में है, उससे जो इस संसार में है।" आपको यह जानना होगा कि पवित्र आत्मा जो आप में है, उसने पहले से ही इस चीज़ को पर जय पा चुका है। और वो तुम में है, और आप उसके द्वारा जय पा सकते हैं। बिल्कुल यही समझदारी है, ये बिल्कुल इसी तरह से वचन में लिखा गया है। जय पाना!

मुझे जल्दी करना होगा। मैंने अब पैतालीस मिनट ले लिए हैं। मैं अब वास्तव में समय से ज्यादा ले रहा हूं।

107 ध्यान दे, जय पाना! वह परमेश्वर जो आपमें है वह उस एक से बढकर है जो उसमें है। संसार का परमेश्वर स्वर्ग के परमेश्वर जितना बड़ा नहीं है, जो तुम में है, कोई भी और अंधकार, उजियाले की उपस्थिति में और खड़ा नहीं हो सकता है।

108 अब, अंधकार उजियाले की उपस्थिति में खड़ा नहीं हो सकता है। मैं परवाह नहीं करता कि यह कितना अंधेरा है, प्रकाश इसे बाहर कर देगा। ये खड़ा नहीं हो सकता है। महिमा! लेकिन आप जितना अंधकार लेना चाहते हैं, लेले, और एक बार उजियाले के विरोध में खड़े होने की कोशिश करें, देखें कि क्या होता है।

यही वह एक है जो आप में है, वो उजियाला है। और वो जो संसार में है, वो अंधकार है। सो, उजियाला अंधकार पर जय पाने पर साबित हुआ है, और वह व्यक्ति जो मसीह में है और जानता है कि उसने संसार की चीजों पर जय पाया है। आमीन। इसका आपके साथ कोई और संबंध है ही नहीं। आप आजाद हैं। "उजियाले में चलो, जैसे वो उजियाले में है, और यीशु मसीह का लहू हमें सारे पापों से शुद्ध करता है, और हम एक दूसरे के साथ मिलकर संगती करते हैं।" आप वही पर हो।

109 "वो जो तुम में है बढ़कर है, उससे जो संसार में है।" अब, यदि आप पीछे देखते है और अपने आपको दोषी ठहराते है, तो तुम अब भी संसार में हो। लेकिन यदि तुम उस से ऊपर रह रहे हो, तब वो जो आपमें है, आपको अंधेरे से ऊपर लेकर आया है।

कमल की तरह, वो कीचड़ के अंधकार से ऊपर है। वो अंधकार के कीचड़ के पानी से ऊपर है। वो उजियाले में है, जो उस कीचड़ को छोड़ने से पहले उस सुंदरता को दर्शाता है, जो उसमें डाली गयी थी। आमीन।

110 अब मैं—मैं एक चिल्लाते हुए मसीही के जैसा अनुभव कर रहा हूं। आरंभ में, जो भी वहां था वो परमेश्वर के द्वारा था, इसने आगे बढकर इसमें से होते हुए अपने लिए मार्ग को बनाया, जय को पाया। इसने छिलके पर जय पाया। इसने कीचड़ पर जय को पाया। इसने पानी पर जय को पाया। इसने हर एक चीज पर जय को पाया, और एक जय पाने वाला था, और परमेश्वर की सुंदरता और महिमा को प्रतिबिंब किया।

111 इसी तरह से हर एक विश्वासी करता है। इसी तरह से नूह ने ऐसा किया। इसी तरह से लूत ने किया। ये इसी तरह से है। देखो कि वह क्या ही गड़बड़ में था। इसी तरह से मूसा ने किय। इसी तरह से यहोशू ने किया। इसी तरह से दानिएल ने किया। उसी तरह शद्रक, मेशक ने किया था। इसी तरह से यूहन्ना बपतिस्मा देने वाले ने किया; जकरिया, इलीशिबा। इसी तरह से शिमोन ने किया, इसी तरह से हन्नाह, उनमें से हर एक ने किया था। उन्होंने कीचड़ पर जय पायी जो कि उनके चारों ओर थी और वे उनमें से ऊपर आ गये। अपने सिरे को उस चीज से ऊपर निकाला, और परमेश्वर की महिमा को चमकाया। यही है जो एक सच्चा मसीह करता है।

112 याद रखिए, यीशु ने उसे दिखाया कि यह कैसे हुआ। चालीस दिन की परीक्षा, उसकी परीक्षा किसी भी व्यक्ति से ज्यादा हुई थी जो कभी हो सकती है, यीशु मसीह की परीक्षा में, जिसे कभी परीक्षा में लाया जा सकता था। ध्यान दे। उसने हमें दिखाया कि इसे कैसे किया जाता है।

अब मैं कुछ ही मिनटों में बंद करूंगा।

113 देखो। उसने हमें दिखाया कि इसे कैसे किया जाता है। उसने इसे कैसे किया? वचन के द्वारा। इसी तरह से उसने इसे किया, क्योंकि वो वचन था। और यीशु ने कहा, "यदि तुम मुझ में बने रहो, और मेरे वचन तुम में बना रहे," आप फिर से वचन के लिए जाते है, प्रतिज्ञा का वचन। हर एक मसीही के लिए प्रतिज्ञा का वचन क्या है? "वह जो तुम में है बढ़कर है, उससे जो संसार में है।" तो मैं कैसे जय को पाऊं? मैं नहीं, लेकिन वो वचन जो मुझमें है। वचन परमेश्वर है। तब मैं संसार की चीजों पर जय को पाता हूं, क्योंकि यह वचन मेरे अन्दर है। "यदि तुम मुझ में बने रहो, मेरा

वचन तुम में, तो केवल आप जो चाहो मांग लो।" केवल आगे बढ़ते रहो। आप निश्चित रूप से किसी भी चीज से ऊपरी सतह पर आ रहे हैं। देखा? आपको सबसे ऊपरी सतह पर आना होगा।

114 उसकी चालीस दिन की परीक्षा, परमेश्वर के वचन के द्वारा उसने जय को पाया। मैं कुछ ही मिनटों के लिए कुछ तो व्यक्त करना चाहता हूं। शैतान ने उस परीक्षा में उसके ऊपर तीन सबसे बडे आक्रमण किए। ध्यान देना। ये हमेशा ही उनमें तीन है। इसे मत भूलना। समझे? उसने तीन सबसे बडे आक्रमण किए, सबसे ऊँचे से लेकर नीचले तक। उसने उसे जीतने की अपनी पूरी कोशिश की। लेकिन वो वचन था। आमीन। उसने किसका उपयोग किया? खुद, वो वचन। शैतान के तीन सबसे बडे हमले या उसके ऊपर आक्रमण, लेकिन उसने वचन के साथ इससे मुलाकात की। हर एक हमले का, वो इसका वचन के साथ सामना कर सका। अब इसे देखें, सबसे ऊँचे से लेकर नीचले तक।

115 सबसे पहला, उसने अपनी बड़ी शक्ति का उपयोग करके, अपना हमला किया। जो कि, वो जानता था कि वह वचन था। वह उसके स्थान को जानता था। क्या आप विश्वास करते है कि उसने जाना? [सभा कहती है, "आमीन।"—सम्पा।] "मैं मनुष्य का पुत्र हूं।" वो अपने स्थान को जानता था। और शैतान आया और वो चाहता था कि वह खुद पर अपनी शक्ति का उपयोग करे, उस भोजन के लिए, वो चाहता था खुद से ही भोजन करे। वह भूखा था। एक मनुष्य को भूख लगती है, वह लगभग कुछ भी कर सकता है। वो चोरी करेगा, लूट पाट करेगा, भीख मांगेगा, उधार लेगा, कुछ भी करेगा। समझे? उसे भूख लगी थी। और शैतान ने उसके ऊपर उसका पहला सबसे बडा प्रहार का उपयोग किया, ताकि उसकी शक्ति को ले कि जो उसे जय पाने के लिए दी गयी थी और स्वयं पर इसका उपयोग करे। उसने खुद पर इसका उपयोग नहीं किया। नहीं। उसने इसका दूसरों पर उपयोग किया। ये सही है। उसने दूसरों पर इसका उपयोग किया, ना ही खुद के लिए। ये उसके लिए नहीं था। हालांकि, वो इसे कर सकता था। वो निश्चित रूप से इसे कर सकता था।

116 लेकिन देखा शैतान किस तरह से आता है? शैतान चाहता है कि आप उस पर ध्यान दें। उसने केवल वही ध्यान दिया जो पिता ने करने के लिए कहा था। ये सही है।

उसने कहा, "क्यों," शैतान ने कहा, "ऐसा लिखा है, 'वह दूतो को आज्ञा देगा... '"

117 उसने कहा, "हाँ, लेकिन ऐसा भी लिखा है... " देखा? वहां आप हो। समझे? वह जानता था कि वह कौन था। शैतान ने...

जो लिखा है विचार उससे ज्यादा गहरा जाते है। देखा? ये प्रेरणा है। दाना इसके अंदर होता है, आप देखो, यह वास्तव में क्या है।

118 हालांकि वह ऐसा कर सकता था, उसने ऐसा नहीं किया। लेकिन उसने कभी भी शैतान के प्रस्ताव पर ध्यान नहीं दिया।

अब, यहाँ एक अच्छी बात है। देखा? कभी–कभी शैतान आपको ले सकता है, और जब आप सोचने लगते है कि आप परमेश्वर की इच्छा कर रहे हैं, और आपको एक प्रस्ताव को दे सकता हैं, तो आप इसके लिए फंस जायेंगे। जी हाँ श्रीमान। वह निश्चय ही कर सकता हैं।

119 अब आइये, उदाहरण के लिए लेंगे, जैसे हमारी बहने। वे सुंदर हैं। और वह आपको एक स्थान पर ले जा सकता है, कि, आप अपने बालों को बढ़ने देती है, आपको समझ नहीं आता। ये आप पर बहुत अच्छा लगता है, और पहली चीज़ जो आप जानते हैं, आपको एक प्रकार से थोडा घमंड और किसी से थोड़ा ऊपर महसुस होने को लगाता है। आप में से कुछ पुरुष, आप जानते हैं कि मेरा क्या मतलब है। देखा? और वह उसी चीज़ को ले सकता है और इसे आपके साथ प्रस्ताव को रख सकता है। ये सही है। देखो। आपको उस पर जय पाना होगा।

बस याद रखें, आप परमेश्वर के लिए जी रहे हैं। आपके पास एक उद्देश्य है, और वो यीशु मसीह है। इसके बाहर, और कुछ भी मायने नहीं रखता है। ये वो ही है। उसके बाद, अगला, आपके परिवार के लिए। उसके बाद तीसरा, अपने लिए। लेकिन, सबसे पहले, परमेश्वर के लिए; दूसरा, आपके परिवार के लिए; और अगला, आपके लिए। आप नंबर तीन पर हैं; यही मार्ग का अंत है। अपने आप को अंत में रखे; उसने किया।

120 देखो वह क्या कर सकता था। कहा, "मैं अपने पिता को बुलाकर, उससे बात कर सकता हूं, वह सीधे मेरे लिए बारह दूतों के दल को भेज देगा।" जबकि उनमें से एक संसार को नष्ट कर सकता था। कहा, "यदि मेरा राज्य इस संसार का होता था, तो मेरे लोग मेरे लिए लड़ते। लेकिन मेरा राज्य ऊपर का है।" आप वहाँ हो। देखा? भले ही, वह इसे कर सकता

था, लेकिन उसने नहीं किया। देखा? हालांकि, वह यह कर सकता था। उसने कभी भी शैतान के प्रस्ताव की बात नही सुनी।

121 अब, क्या आपने लोगों को यह कहते हुए सुना है, "यदि आप विश्वास करते हैं एक दैविक चंगाई देने वाला है... यदि आप एक दैविक चंगा करता हैं... जाकर, अपने दैविक चंगाई देने वाले को लेकर आओ। मेरे साथ यहाँ एक बीमार व्यक्ति है। मैं उसे, बीमार को चंगा करते देखना चाहता हूं।" उसी शैतान को देखा? [सभा कहती है, "आमीन।"—सम्पा।] वो आपके सामने प्रस्ताव रखने की कोशिश कर रहा है। वह आपको परमेश्वर की बजाय उसे सुनने को लगाने की कोशिश कर रहा है। लेकिन परमेश्वर का असली, सच्चा सेवक वो पहले सुनेगा और देखेगा कि पिता क्या कहता है। समझे?

122 छोटे स्टैडस्लेव बालक के जैसे, जब उन्होंने उसे यहां पर भेजा। और श्रीमती स्टैडस्लेव ने कहा, "भाई ब्रन्हम, मैंने जर्मनी से फोन किया है।" एक अमेरिकी की सेना के जेट विमानों में से एक विमान बाहर मैदान में उतरा हुआ था, मुझे एक दिन में विमान से जर्मनी में ले जाकर और वापस लाने के लिए। वह एक पादरी था। और बालक मृत पड़ा हुआ था। और वह छोटी मां चिल्लाती हुई, उसने कहा, "सुनिये!" कहा, "मैं जानती हूं। मैं वहां खडी थी और देखा कि उस महिला ने उस मृत बालक को अपने हाथों में पकडा था, जो उस सुबह मर गया था। मैंने देखा कि भाई ब्रन्हम ठीक वहां चलकर आते हैं, उस मृत बालक पर हाथ रखते हैं, और उसमें जीवन आ जाता हैं।" कहा, "यह बालक मेरा है, भाई ब्रन्हम।" ऐसे उनके परिवार में कभी मृत्यु नहीं हुई। देखा? और इस छोटे से बालक की एक सुबह तबीयत ख़राब हो गई और उसी दोपहर को मृत्यु हो गई।

यहां वे सभी लोग चारों ओर खड़े थे, और भविष्यवाणियां और इत्यादि कर रहे थे, "बालक जीवित होने जा रहा है," और इसी तरह से सब।

123 मैंने कहा, "ठीक है, यह बहुत अच्छी बात है, बहन स्टैडस्लेव। लेकिन मुझे देखने दो कि पिताजी क्या कहता हैं।"

मैं जंगल में चला गया। और मैंने प्रार्थना की। वापस आया; वो दो या तीन बार फोन कर चुकी थी क्योंकि मैं अगली सुबह को वापस आया। कुछ भी नहीं हुआ।

डॉक्टर ने कहा, "ठीक है।" कहा, "यदि ऐसा है, यदि आपके पास उस तरह का विश्वास है, तो महिला, हम बच्चे को अस्पताल से नहीं छोड़गे। इसे यही पर रहने दे। आप इसके साथ यही पर रुके रहें। यह ठीक बात है।"

भाई स्टैडस्लेव ने जाकर और सेना प्रमुख से मुलाकत की। उसने कहा, "ज़रूर। हम उन्हें वहां विमान से ले जाकर, और उन्हें वापस लेकर आयेंगे।"

124 और वहां एक विमान खड़ा हुआ था, रुका हुआ था, ताकि उस सुबह मुझे वहां पर लेकर जाये और उस रात मुझे वापस लेकर आये, जर्मनी, हेडेलबर्ग की ओर, इस बालक के पुनरुत्थान के लिए। मैंने कहा, "निश्चय ही, परमेश्वर इसे कर सकता हैं, लेकिन देखते हैं कि उसकी इच्छा क्या है।"

125 तब मैंने बाहर जाकर, सारी रात प्रार्थना की। कुछ भी नहीं हुआ। अगली सुबह को वापस आया; कुछ भी नहीं हुआ। और मैं कमरे की ओर जाने लगा। तब उसके बाद मैंने वहां पर देखा, और वहाँ पर प्रकाश दरवाजे पर रुका हुआ मंडरा रहा था। कहा, "उस पर अपना हाथ मत डालना। उसे फटकार मत लगाओ। यह परमेश्वर का हाथ है।"

126 मैंने उसे फोन किया। मैंने कहा, "बहन स्टैडस्लेव, अपने बच्चे को दफना दे। इसमें प्रभु का हाथ है। यह एक परमेश्वर की इच्छा है। उस बच्चे की रेखा के साथ कुछ तो हुआ होगा। आप ठीक इसे करे, जहां परमेश्वर जानता है कि यह कहां पर है। अब आप इसे इसी तरह से कर सकते हैं। यह जीता है, आप नहीं करेंगे। आप इसे ठीक उसी तरह छोड़ दे।"

127 जर्मनी में उस बडे लूथरन प्रचारक ने एक पत्र लिखा और कहा, "मैं किस तरह से सराहना कर सकता हूं, जो, भाई ब्रन्हम कुछ भी कहने से पहले, परमेश्वर के उस स्पष्ट निर्णय की प्रतीक्षा कर रहा था।"

ऐसा ही है। परमेश्वर के निर्णय को पकडे रहे। कोई फर्क नहीं पड़ता कि दूसरे लोग क्या कहते हैं, या जो भी हो, शैतान के प्रस्ताव ना ले।

128 यदि शैतान कहता है, "अब, पानी का बपतिस्मा, 'पिता, पुत्र का नाम... ।'" यदि ऐसा, वो कभी प्रस्ताव करता भी है, आप ऐसा ही छोड़ दे। अन्यथा जो परमेश्वर ने कहा। यदि वह कहता है, "आप एक भले इंसान हैं, आपको ऐसा नहीं होना है... आप एक भली महिला हैं, आपको यह करने की आवश्यकता नहीं है... " आप प्रस्ताव को नहीं लेना। यदि वचन कुछ

तो अलग कहता है, तो आप बिना इसे ध्यान दिये कि ये क्या है, वचन के साथ बने रहे। यीशु ने आपको यही उदाहरण दिया है, और वहां उस बडे प्रहार, देखो, जो उसने उस पर किया।

129 तब, दूसरा प्रहार। मैं जल्दी करूंगा। बस ऐसा दिखाई देता है कि समय बहुत जल्दी निकल रहा है। अगला जो बड़ा हमला था, कि उसने उस पर किया, कि उसे एक प्रदर्शन करना होगा।

और किस तरह से यह परमेश्वर के सेवको को वार करता है, एक दिखावा बनने के लिए, कि आप क्या कर सकते हैं, "परमेश्वर की महिमा हो! हाल्लेलुय्या! मैं एक छुड़ाने वाला हूं! मैं *ऐसा* हूं।" समझे? देखा?

130 "यहां मंदिर के ऊपरी भाग में आओ, और यहां नीचे बैठ जाओ।" उसने उसे ऐसा करने के लिए प्रयत्न किया। अब, याद रखें, वो इसे करने के लिए पूरी तरह आकर्षित हुआ था। कहा, "अब, यदि तुम लोगों के सामने कुछ बनना चाहते हो, तो यहाँ इस मंदिर पर खड़े होकर, कूदो।" देखा? "मैं तुम्हें इसके लिए एक वचन को दूंगा, क्योंकि ऐसा लिखा है, 'वो दूतो को तेरे निमित आज्ञा देगा, ऐसा ना हो, किसी भी समय, किसी पत्थर से तेरे पैरो पर ठेस लगे। वे तुझे हाथों हाथ उठा लेंगे।'" उसे एक दिखावा करने को लगाने के लिए, उसे उसका अधिकार दिखाने के लिए।

131 परमेश्वर का सच्चा सेवक कभी भी ऐसा नहीं करता है। आप एक व्यक्ति को दिखावा करते देखते हैं, उसकी छाती बाहर होती है, और इसी तरह से सब, बस याद रखें, वहां पर कुछ गड़बड़ है। नहीं। परमेश्वर ऐसा नहीं चाहता हैं। यीशु ने उदाहरण को रखा। वह इसे कर सकता था। वह निश्चित रूप से ऐसा कर सकता था, लेकिन उसने ऐसा नहीं किया। परमेश्वर का कोई भी सेवक अपना खुद का दिखावा नहीं करता है, कि परमेश्वर की सामर्थ को लेकर और किसी और से खुद को ऊपर दिखाने की कोशिश करे।

132 आपको याद है कि मूसा ने ऐसा किया था? क्या ये याद है? [सभा कहती है, "आमीन।"—सम्पा।] परमेश्वर ने जो वह चाहता था, उसे करने की सामर्थ को दिया था; उसे एक भविष्यद्वक्ता बनाया। वह उस चट्टान के पास चला गया, और उसने दूसरी बार चट्टान को मारा। यह परमेश्वर की इच्छा के विरुद्ध था।

परमेश्वर ने कहा, "उस चट्टान से बोलो। इसे दुबारा मत मारना। तुमने वो यहाँ सब—सब अलग ही किया हैं। चट्टान को केवल एक बार मार जाना

होगा।" लेकिन जब उसने ऐसा किया वो वचन की निर्बलता को बताता है; ये ठीक नहीं था। जी हाँ। वो वचन था, जो आगे जा रहा था। वह चट्टान वचन था। देखा?

133 उसने, पहली बार, चट्टान को मारा और पानी बाहर आया। और तब उन्हें फिर से प्यास लगी। उसने कहा, "अब वापस जाओ और चट्टान से बोलो।" इसे केवल एक बार मारा गया था। देखा?

"वचन की कमी," मूसा ने इसे बताया कि "वचन सही नहीं था; उसे वापस मारा जाना था।"

134 सो मूसा वहां पर गया और इस तरह से चट्टान को मारा, कहा, "बाहर आ!" बाहर नहीं आया, इसलिए उसने फिर से मारा, और कहा, "बाहर आ! मैं तुम्हें बाहर आने की आज्ञा देता हूं।" और पानी आने लगा।

135 परमेश्वर ने कहा, "यहाँ ऊपर आओ। यहाँ आओ। तुमने खुद की महिमा की है। तुमने मेरी सामर्थ को लिया; मुझे पवित्रीकरण करने के बजाये, तुमने स्वयं को पवित्रीकरण किया। अब तुम उस देश पर नहीं जा रहे हो। वहां पर देखो, देखो यह कैसा दिखता है; लेकिन, यहां, तुम्हें ठीक यही पर छोड़ना हैं।" ओह, प्रभु! मूसा की तरह कभी कोई एक भी नहीं रहा, आप जानते है। नहीं, नहीं।

136 जब वह यीशु के साथ उस दिखावा करने में आया, तो उसने कहा, "यहां ऊपर मंदिर पर चढ और कूद जा।"

137 उसने कहा, "ऐसा लिखा है," आमीन, "'तू परमेश्वर अपने प्रभु की परीक्षा मत कर।'" देखा? उसने उससे उस पर वचन से सामना किया, और हर एक बडे प्रहार का।

138 कोई भी सच्चा सेवक कभी भी परमेश्वर की सामर्थ के साथ—साथ खुद को दिखाने की कोशिश नहीं करता है। यदि वो करता है, तो तब वो वहीं हार जाता है।

139 तीसरा बड़ा प्रहार, शैतान ने इस राज्य के अधिकार को उसे देने का प्रस्ताव किया। उसने ऐसा किया। शैतान ने कहा, "संसार के इन राज्यों को देखते हो? ये मेरे हैं। मैं उनके साथ जो कुछ भी करना चाहता हूं, उसके साथ करता हूं। मैं उनका अधिकार तुम्हारे लिए दे दूंगा।"

लेकिन, आप याद रखना, वह क्रूस के बिना इसका अधिकार उसे देने की कोशिश कर रहा था। यदि वो करता, तो हम खो जाते। वह उस राज्य को ले सकता था। लेकिन उसे करना ही... उसे वापस आना ही है। वह अब ऐसा करने के लिए परखा गया था। मौत एक कठिन बात है। वह बिना क्रूस के, उसकी स्वतंत्रता को लेने और धरती का राजा होने के लिए आकर्षित किया गया था। लेकिन, यदि वो करता, तो उसके लोगो की मृत्यु हो गई होती। शैतान ने आनंद से उस प्रस्ताव को उसके सामने रखा होगा। लेकिन उसने कहा, "मुझसे दूर हट, शैतान।" उसने ऐसा नहीं किया।

140 उसने आकर और सहा, और कठीन, ऊबड़–खाबड़ मार्ग को लिया। उसने सतावट का मार्ग लिया। उसने मृत्यु का मार्ग लिया।

क्या हम, आज सुबह, ऐसा करने के इच्छा को रखते हैं, उसी मार्ग को लेना जो उसने लिया था? क्या हम मरने को तैयार हैं? क्या हम अपने आप को परमेश्वर को देने के लिए तैयार हैं, सारे संसार और चीजों को छोड़ने के लिए, उसके लिए सेवा करने के लिए तैयार हैं? देखा?

141 अब, शैतान ऐसा करने में असफल रहा। खुद की इच्छा से उसके अधिकार को छोड़ कर रहा था। लेकिन उसने ऐसा नहीं किया। भले ही यीशु परीक्षा में था, उसने हमारे लिए जय को पाया था। उसने—उसने मेरे और आपके लिए सारे परीक्षा को सहन किया। देखा? वह इसे ठीक तभी ले सकता था। लेकिन उसने दूसरे मार्ग को किस लिए लिया? ताकि हम आ सकें, उसके साथ रहें। और यदि उसने इस तरह की कीमत का भुगतान किया, इसकी तुलना में हम कितने छोटे होंगे कि इसे ना नहीं ले? जब, याद रखें, यहां कुछ भी नहीं है, कुछ भी हो।

142 यदि आप सौ वर्ष जीवित रहते हैं, तो आप किस बात के लिए आते हैं? मानसिकता, और आपका दिमाग चला जाता है, सब विकलांग हो जाता है, और बूढ़े और कमजोर। यही है वह जहां आप जा रहे हैं, और यही इसका अंत है। अब आपको आकर, इस बात पर जय पाना है। आप ये कैसे करते हैं? वचन के द्वारा। वचन क्या कहता है, आप इसे करे। नम्रता से चलना। यीशु के समान जीना।

143 उसने आपके और मेरे लिए सभी बातों को सहन किया। वह हमारा उदाहरण है कि कैसे हमारी उस दुष्ट पीढ़ी पर जय को पाये, क्योंकि उसने उसकी दुष्ट पीढ़ी पर जय पायी थी।

144 याद रखें, जब वो धरती पर आया, वहां पर बस उतना ही अविश्वास था या अधिक किसी भी समय से कहीं ज्यादा थी। इससे वो जरा भी परेशान नहीं हुआ था। जब उन्होंने उसे परमेश्वर कहने की बजाय शैतान कहा, जब उन्होंने उसे वो सब कुछ कह कर बुलाया जो बुलाया जा सकता है, इससे वो थोड़ा भी परेशान हुआ था। उसके पास एक उद्देश्य था: "पिता की ओर ध्यान दें। वचन को बनाये रखें।" वचन परमेश्वर है। उसके पास एक मन था।

145 हम कभी–कभी वापस जाने के लिए बहक जाते हैं। आप में से कई लोग, संप्रदाय में वापस जाने के लिए बहक जाते है, वापस जाकर और अपना लेते है, क्योंकि सारा संसार कहता है, "आप किस संप्रदाय से संबंधित हैं? आप किस कलीसिया के साथ संबद्ध रखते हैं? " हम ऐसा करने के लिए प्रयत्न करते हैं; हम सभी करते हैं। हमारी बहनें वापस जाने के लिए बहक जाती हैं, वापस जाकर और कुछ बाकी के कलीसिया के साथ जुड़ें, कुछ संगठन, या परमेश्वर की कलीसियाये, या उनमें से कुछ के साथ; फिर भी पेंटेकोस्टल बने रहे, अपने बालों को काटे, और बस किसी भी तरह के कपडे पहने जैसे आप चाहते हैं। देखा? आप ऐसा करने के लिए आकर्षित होते हैं, वापस जाकर और इस दुष्ट पीढ़ी के साथ लोकप्रिय होना जिसके साथ हम रह रहे हैं।

जबकि, यह हमारे दिनों का बड़ा पाप है। ये हमारे लोगो के बीच बड़ा पाप है, सांसारिकता है, जैसा कि बाइबिल ने लौद... लौदकिया युग में कहा था। वह सांसारिक है, "धनी, किसी की भी आवश्यकता नहीं; नहीं जानते है कि वो नंगी, बेबस, लाचार, और अंधी है।" यही हमारे दिन का पाप है। जब आप परमेश्वर के वचन को इसके विरोध में बोलते हुए सुनते हैं, तो आप दूसरे मार्ग को ले लेते हैं, आप संसार के साथ अलोकप्रिय हैं। आप वापस जाने के लिए आकर्षित होते हैं।

146 मैं जानता हूं। तुम मुझसे कहते हो। मैं जानता हूं कि आप कहते हैं, "हर समय।" मैं जानता हूं कि आप मुझसे इन चीजों पर सुनते–सुनते थक गये हैं। मैं भी आपको इसे ऐसा करते देखकर थक गया हूं, यह सही है, यह पाप है जिसके बारे में, मैं आपको बताने की कोशिश कर रहा हूं। कहते है, "आप इसके लिए क्या बार–बार बता रहे हैं? " तब इसे रोक दूं। मैं वचन के द्वारा आपका जीवन बचाने की कोशिश कर रहा हूं। मैं भी थक चूका हूं।

सो, बस आप ठीक कर ले। यह एक पाप है, जो नहीं किया जाना चाहिए। जी हाँ, श्रीमान।

147 हमने इन चीजों पर जय पाया हैं। हम उनसे परखे जाने की अपेक्षा करते हैं, जो संसार है। यीशु ने कहा, "आप संसार और संसार की चीजों से प्रेम करते है, परमेश्वर का प्रेम आपमें है ही नहीं।"

148 अब, हम बस बंद कर देंगे, और यह कहकर। जय पाने वालो के लिए एक इनाम है।

149 मैं आपके लिए यहाँ कुछ पढ़ूंगा। अपने बाइबिल को खोले। आइए वापस प्रकाशितवाक्य के तीसरे और दूसरे अध्याय पर जाये। अब यहां इन सारी चीजों के विषय में देखें, जिस पर मैं बोलता आ रहा हूं, जय पाने पर। अब बस खुद की ओर देखे और समझे। अपने आप को आध्यात्मिक दिखने वाले आईने में जांचें, देखें कि क्या आपने जय पायी हैं।

150 अब, पहला संदेश, इफिसुस के—के दूत के लिए, मैं चाहता हूं कि आप सुनें जो उसने कहा है। और प्रकाशितवाक्य, दूसरा अध्याय, 7 वा पद। यह उस कलीसिया युग के लिए है, जब उसने उन सभी को बताया जो उन्होंने क्या किया है, "उन्होंने पहले प्रेम को छोड़ दिया।" 7 वा पद:

> *जिस के कान हों, वह सुन ले कि आत्मा कलीसियाओं से क्या कहता है:* (वो व्यक्ति, ना ही कलीसिया)*... जो जय—जय पाए मैं उसे उस जीवन के पेड़ में से जो परमेश्वर के स्वर्गलोक में है, फल खाने को दूंगा।*

देखा? इफिसुस में जो जय पाने वाले है।

151 अब, अगला स्मुरना था। अब, उसमें जो जय पाने वाले है, हम इसे सुनेगे। अब, 11 वा पद।

> *जिसके—जिसके कान हों, वह सुन ले कि आत्मा कलीसियाओं से क्या कहता है: जो जय पाए, उस को दूसरी मृत्यु से हानि न पहुंचेगी।*

देखा? उन्होंने इस पर जय पाया।

152 अब, यह, पिरगमुन को देखे, हम यह देखेंगे कि इसके लिए जय पाने वालो के लिए क्या रखा था। हम पिरगमुन कलीसिया में 17 वे पद को पढेंगे।

> *जिस के कान हों...*

यह, यह व्यक्तिगत के लिए है, ना ही पूरे झुण्ड के लिए है। वो व्यक्तिगत, जो दुल्हन बाहर आ रही है, आप देखे, वो कलीसिया।

जिस के कान हों, वह सुन ले कि आत्मा कलीसियाओं से क्या कहता है; जो जय पाए, उस को मैं गुप्त मन्ना में से दूंगा, और उसे एक श्वेत पत्थर भी दूंगा; और उस पत्थर पर एक नाम लिखा हुआ होगा, जिसे उसके पाने वाले के सिवाय और कोई न जानेगा।

यही उस कलीसिया युग के जय पाने वाले है।

153 अब, अगला थुआतीरा है। आइए जानें कि उस दिन के जय पाने वालो के पास क्या था। आइये 26 वे पद को लें।

जो जय पाए, और मेरे कामों के अनुसार अन्त तक करता रहे, मैं उसे जाति जाति के लोगों पर अधिकार दूंगा। (यह सही है।)

और... वह लोहे का राजदण्ड लिए हुए उन पर राज्य करेगा, जिस प्रकार कुम्हार के मिट्टी के बर्तन चकनाचूर हो जाते है, जैसे कि मैंने ऐसा अधिकार अपने पिता से पाया है।

देखो, "उसके साथ, उसके सिंहासन में।" मसीह को राष्ट्रों पर लोहे के राजदण्ड के साथ राज्य करना है। और यहां वह कलीसिया है जिसने जय पायी है, "लोहे के राजदण्ड के साथ राष्ट्रों को तोड़ने के लिए, वहां उसके साथ बैठे हुए है।"

154 अब उन्हें सरदीस कलीसिया से लेंगे। अब तीसरे अध्याय का 5 वा पद।

जो जय पाए, उसे इसी प्रकार श्वेत वस्त्र पहिनाया जाएगा, और मैं उसका नाम जीवन की पुस्तक में से किसी रीति से न काटूंगा, पर उसका नाम अपने पिता और उसके स्वर्गदूतों के साम्हने मान लूंगा।

यह सरदीस में जय पाने वालो के लिए है।

155 अब, 12 वे पद को अब लें। अब, यह 12 वा पद फिलेदिलफिया की कलीसिया के लिए है।

जो जय पाए, उस मैं अपने परमेश्वर के मन्दिर में एक खंभा बनाऊंगा; और वह फिर कभी बाहर न निकलेगा; और मैं अपने परमेश्वर का नाम, और अपने परमेश्वर के नगर, अर्थात नये

यरूशलेम का नाम, जो मेरे परमेश्वर के... पास से स्वर्ग पर से उतरने वाला है और अपना नया नाम उस पर लिखूंगा।

156 देखें कि जय पाने वाले की क्या प्रतिज्ञा है। समझे?

अब, लौदकिया, अब वो आखिरी कलीसिया काल है। वहां पर कुछ जय पाने वाले होंगे। यहाँ ध्यान देना। वे, याद रखे, हर एक कलीसिया काल, हर एक जो इससे पहले के लोगो ने इसे विरासत में पाया, वो सब उन अन्य लोगों को दिया गया था। यहाँ ऊपर देखो। अब, यहां, इन सारी सामर्थ को प्राप्त करने के बाद, ये नए नाम और जो कुछ लिखा हुआ था, जिसकी उसने प्रतिज्ञा की, और छुपे हुए मन्ना को खाया, और वो सब वहां से लेकर। इस आखिरी कलीसिया काल को देखें, प्रकाशितवाक्य 3:21।

जो जय पाए, मैं उसे अपने साथ अपने सिंहासन में बैठाऊंगा, (आमीन) *जैसा मैं भी जय पा कर अपने पिता के साथ उसके सिंहासन में बैठ गया।*

जिस के कान हों वह सुन ले कि आत्मा कलीसियाओं से क्या कहता है।

157 जय पाने वालो के लिए एक इनाम है। आगे बढो, कमल के फूल। यदि यह आप में है, तो कीचड़ और वो बाकी सब कुछ को एक तरफ करे, और ऊपरी सतह की तरफ बढे। जी हाँ, श्रीमान। "मेरे सिंहासन पर मेरे साथ बैठेगा।"

158 आप जानते हैं, एक बार, याकूब और यूहन्ना की मां... हमारे पास इसे पढ़ने का समय नहीं है। याकूब और यूहन्ना की मां ने आकर और इस स्थान के लिए माँगा। क्या आप यह जानते हैं? यह याद है? [सभा कहती है, "आमीन।"—सम्पा।] "प्रभु, मेरा पुत्र एक तरफ बैठे, और मेरा दूसरा पुत्र दूसरी ओर बैठे।" यह उसके पुत्र के लिए मां की इच्छा है।

लेकिन ध्यान दे। लेकिन, "वो स्थान," यीशु ने कहा, "पहले से ठहराया गया है।" वो स्थान को लेने के लिए उस समय पर कोई अस्तित्व में नहीं था। क्यों? ध्यान दे। "यह उन लोगों को दिया जाएगा, जिनके लिए ये मायने रखता है।" क्या? वो एक जो दाएं हाथ पर बैठने वाला है, और वो दूसरा जो उसके पास होना है, अभी उसे एक जय पाना था। देखा? यह अभी भी था... उसने कहा, "मैं—मैं इसे प्रदान नहीं करता हूं। मैं इसे प्रदान नहीं कर सकता, लेकिन परीक्षा आने के बाद इसे दिया जाएगा।" आमीन।

देखा? "मैं इसे नहीं दे सकता। लेकिन परीक्षा के बाद, वे दायें और बाये हाथ पर बैठेंगे। इसके लिए उस ओर पहले से ठहराये हुए बीज रुके हुए है। यह उन लोगों को दिया जाएगा, जिनके लिए इसकी प्रतिज्ञा की गयी है। इसे वहां पर दिया जाएगा, लेकिन परीक्षा अभी तक नहीं आयी थी; जो, उसने अभी तक जय को नहीं पाया था।" समझे?

159 वह व्यक्ति जो उसके पास राज्य में, एक ओर इस स्थान को लेने वाला था, और दूसरा इसे दूसरी ओर स्थान को लेने वाला था, इसे अभी तक दिया नहीं गया था, देखो, जय को नहीं पाया गया था। परीक्षा अभी तक नहीं आयी थी। "यह भविष्य में आयेगी।"

"यदि हम मसीह और उसके वचन के लिए सहन करते हैं, तो हम उसके साथ राज्य करेंगे, क्योंकि वो वचन है।" याद रखें, "यदि हम मसीह और उसके वचन के लिए सहन करते हैं, तो हम उसके साथ राज्य करेंगे, उसके वचन में।"

160 ध्यान दे। वो, हमारा उदाहरण है, उसने जय पायी, और फिर, वो उसके मृत्यु, अधोलोक, बीमारी, कब्र पर जय पाने के बाद ऊपर उठाया गया। हर एक चीज पर, उसने जय प्राप्त की। "इसलिये वह कहता है, कि वह ऊंचे पर चढ़ा, और बन्धुवाई को बान्ध ले गया, और मनुष्यों को दान दिए।" यह पुराना नियम था, पुराने नियम के संतों के साथ जिन्होंने जय पायी थी। वे ऐसे व्यक्ति के लिए देख रहे थे, और वे मर गये इससे पहले वो वहां पहुंचे। लेकिन जब यह व्यक्ति आया, "इसने उन लोगों को नहीं रोका जो कि सोये हुए थे।" आमीन। किसी भी तरह से खो नहीं कर सकता। जीऊँ या मरुँ, इससे क्या फर्क पड़ता है? "नहीं रोका जाएगा।" समझे? वे इसके लिए देख रहे थे।

161 यहां तक कि पहले अय्यूब भी, वो इसके लिए देख रहा था। उसने कहा, "मैं जानता हूं, मेरा छुड़ाने वाला जीवित है, और अंतिम दिनों में वह धरती पर खड़ा होगा।" वहां एक धर्मी मनुष्य था, एक सिद्ध मनुष्य। उसने बलिदान को चढ़ाया। उसने वो सब कुछ किया जो परमेश्वर ने उसे करने के लिए कहा था। उसने इसे सम्मान और आदर के साथ किया। वह एक भविष्यवक्ता था। और फिर शैतान उसे परीक्षा देने के लिए उसके पास आता हैं। (बिल्कुल उसी तरह जैसे वो आपकी परीक्षा करने के लिए आता है।) उसने क्या किया? वह वहीं खड़ा रहा।

यहाँ तक उसकी पत्नी ने भी बाहर आकर, कहा, "क्यों नहीं तुम परमेश्वर को शाप देंकर और मर जाते? तुम वहाँ इतने दयनीय दिखाई दे रहे हो।"

162 उसने कहा, "तुम मूर्ख स्त्री की तरह बात करती हो।" अब, उसने कभी नहीं कहा कि वह मूर्ख थी, लेकिन उसने एक मूर्ख की तरह बात की। देखा? कहा, "तुम कैसे मूर्ख स्त्री की तरह बात करती हो।" कहा, "प्रभु ने दिया, और प्रभु ने ले लिया; परमेश्वर का नाम धन्य हो।" उसने जय पायी।

163 पड़ोसियों का जो कहना था उसने उस पर जय पायी। जो सारे कलीसिया के सदस्यों, बिलदद और उन सभी का जो कहना है, उसने उस पर जय पायी। उसने बिशप पर जय पायी और जो उसका कहना था। उसने कार्डिनल पर जय पायी और जो उसका कहना था। उसने संप्रदायो पर जय पायी, जो उनका कहना था। और वो धर्मीकरण के वचन के साथ बना रहा। आमीन। फिर भी, उसके पास जो था, उसकी कीमत चुकानी पड़ी, यहाँ तक उसके बच्चों की भी। वो इस पर बैठ कर अपने फोड़े को ठीकरे के टुकड़े के साथ खदोरने लगा, और फिर भी उसने जय पायी। और जब वो बड़ी परीक्षा की घडी अंत: सफल हुई, तो वे बादल पीछे हटने लगे।

164 उसने हर एक विचारपूर्ण करने वाली चीज़ को देखा। उसने कहा, "पेड़ में एक आशा है यदि ये मर जाता है तो; यह फिर से जीवित होता है। और एक बीज जमीन में गिरता है, यह सड़ने लगता है; यह फिर से जीवित होता है। लेकिन एक मनुष्य नीचे चला जाता है और आत्मा को छोड़ देता है; वह नष्ट हो जाता। और उसके बच्चे आकर, उसके पुत्र, उसके आदर के लिए और उसके ऊपर शोक करते है; वो इसे नहीं समझ सका। वो फिर से नहीं उठता है। ओह, वो वहीं पर है। क्या बात है? मैं भी एक बीज हूं। मैं कुछ तो हूं, जो एक बीज है, और मैं जमीन पर चला जाऊंगा। मैं फिर से नहीं उठ सकता हूं। मैं वहीं पड़ा रहूंगा। ओह, मुझे कब्र में छुपाये रख, मुझे अपने गुप्त स्थान पर रखे रह, तेरे क्रोध के ठंडा होने तक। मेरे लिए एक समय को नियुक्त कर और मेरा न्याय कर। और पत्थर जल से घिस जाते हैं, और भूमि की धूलि उसकी बाढ़ से बहाई जाती है।" ओह, वो इन सारी बातों

को बोलते ही जा रहा था, वो वहां सारे उदाहरण को वहां देख सकता था, ये क्या था। ओह, वो बस इसे नहीं देख सका।

165 और, बहन रोजर्स, याद है, जब मैंने बस्टी के अंतिम संस्कार में इसका प्रचार किया था। देखा?

166 कैसे, वो, "उसने पत्थर को जल से घिस देता हैं," किस तरह से ये बातें होती है। "ओह, तू मुझे कब्र में छिपा ले, और मुझे गुप्त स्थान में बनाये रख।" वो आगे बढता ही जा रहा था। उसने कहा, "मेरी इच्छा है कि मैं जान जाता। मेरी इच्छा है कि मैं जान जाता कि मैं कहां जा सकता हूं, एक व्यक्ति जो मुझ पर हाथ रख सकता है, एक पाप से भरा मनुष्य, और एक पवित्र परमेश्वर पर, और मेरे लिए उससे बात करे।" ओह, प्रभु! "वो वहाँ पर है। मैं जानता हूं कि वो वहाँ पर है। वहां पर कोई है जो ऐसा कर सकता है। वहाँ पर कोई तो एक, कहीं तो है। आमीन। मैं उस व्यक्ति को कहां ढुंढ सकता हूं? मैं कहां ढुंढ सकता हूं? मैं उसके दरवाजे को खटखटाऊंगा और उससे बात करूंगा। यदि कोई मुझ पर और परमेश्वर पर अपना हाथ रख सकता हो, और—और मेरे लिए बिचवाई के मार्ग को कर सकता हो, वो बात करे! यदि मैं केवल उस व्यक्ति को ढूंढ सकता! ओह, वो कहाँ पर है?"

167 उसने अपनी कलीसिया के अन्दर ढूंढा। उसने अपने संगठन के अन्दर ढूंढा था। वो ऐसे व्यक्ति को नहीं ढूंढ सका।

168 और अचानक, बादल पीछे हटने लगे, और उसने उस व्यक्ति को आते हुए देखा। ओह! उसका बुढा ह्रदय आनंद से धडकने लगा। तब कुछ तो घटित हुआ। "मैं जानता हूं कि मेरा छुड़ाने वाला जीवित है। ऐसा एक व्यक्ति है।" आमीन। अभी भी ऐसा एक व्यक्ति है। "मैं जानता हूं कि मेरा छुड़ाने वाला जीवित है। और भले ही खाल के कीड़े इस देह को नष्ट कर दे, तो भी मेरे शरीर में से होकर मैं परमेश्वर को देखूंगा, जिसे मैं अपने लिए देखूंगा। वो अंतिम दिन में धरती पर खड़ा होगा।"

169 उस ईस्टर की सुबह को, जब वो उस ओर उठ गया, और अय्यूब की देह चम्मच भर राख से ज्यादा नहीं थी, वो रुका हुआ था। वो चुना हुआ झुण्ड था। वो कब्र से जी उठा और उसने अब्राहम, इसहाक, याकूब, अय्यूब के साथ शहर में प्रवेश किया। ओह, प्रभु! आमीन। क्योंकि, वे ऐसे व्यक्ति के लिए देख रहे थे।

170 "और उन लोगों के लिए जो मसीह के दूसरे आगमन के लिए देख रहे हैं," जो इस संसार की चीजों पर जय पा सकते है, उसके अनुग्रह के द्वारा, उसके अन्दर आने के लिए, और उसके और उसके वचन को छोड़ अपनी आंखें बंद कर सकते हैं, "वह महिमा में दूसरी बार प्रकट होगा।"

"क्योंकि परमेश्वर की तुरही फूंकी जायेगी, और जो मसीह में मरे हैं, वे पहिले जी उठेंगे; तब हम जो जीवित और बचे रहेंगे, वे पल भर में, पलक झपकते ही बदल जायेंगे, उन के साथ बादलों पर उठा लिए जायेंगे, कि हवा में प्रभु से मिलें।"

171 चाहे मैं राख भर चम्मच रहूं, या मैं जीवित रहूं, जब वो आता है, इससे मुझे कोई फर्क नहीं पड़ता। आमीन। कोई फर्क नहीं पड़ता, क्योंकि मैंने दर्शन को पकड लिया है। पर्दा पीछे हट गया है, और मैं उसे देखता हूं। वो एक जो खड़ा हो सकता है, और मुझ पर अपना हाथ रख सकता है, इस एक पापी मनुष्य पर, और पवित्र परमेश्वर पर। और वो मेरी प्रायचिश्ता है। वह वो वचन है जिसके लिए मैं खड़ा हूं। "आदि में वचन था।" वह वो वचन है, और वह वहां मुझे प्रतिनिधित्व करता है। आमीन। और जब तक मैं सांस लेता हूं, तब तक मैं इसे चिल्लाऊंगा कि, "वह मेरा पुनरुत्थान और मेरा जीवन है।" और बाकी की सारी भूमि धसती हुई रेत हैं। बाकी की सारी भूमि धसती हुई रेत हैं।

172 जैसे वो उन्हें दिखाई दिया जो उसके लिए देख रहे थे, वैसे ही वह उन नए नियम के संतो के पास आएगा जिसने हर हर संप्रदाय के निंदको पर जय पायी है, जिसने इस दिन के सभी जाने–माने पापों पर जय पायी है, इस युग के जिस में हम अब में रह रहे हैं, जैसे उसने अन्य सभी कलीसिया युग में किया, जिन्होंने उस कलीसिया युग में जय पायी। वे लोग किस पर जय पाते हैं? "'मैं धनी हूं। मुझे कुछ भी आवश्यकता नहीं है। मेरे पास... ओह, मैं *यह* सब हूं और *यह* सब। और मैं दुल्हन हूं। मैं *यह* हूं, मुझे कुछ भी आवश्यकता नहीं है।' और यह नहीं जानते कि तुम नंगे हो, अंधे हो।"

173 उस भरमाने वाले युग को देखा जो मैंने बताया? यह उन लोगों की तरह नहीं है जिन्होंने सफेद पत्थर को पाने के लिए वहां पहले अपने सिर को कटवा दिया, ना ही उन लोगों के जैसे जो शहीद होकर मर गये, और जला कर उन्हें मार दिया गया, और इसी तरह की चीजें; जिन्होंने ताज को

जीता। लेकिन अब यह भरमाने वाला युग है, जो सोचता है कि वे सबकुछ हैं। "अच्छा, मैं एक कलीसिया का सदस्य हूं। मैं एक भला पुरुष हूं। मैं एक भली महिला हूं। मैं *ऐसा* करता हूं। मुझे *वैसा* करने की आवश्यकता नहीं है।"

174 "लेकिन वो जो जय पाता है," वो जो इस युग की उन सारी सांसारिक चीजों पर जय पाता है, वे क्या करेंगे? वे सभी उसके सिंहासन में उसके साथ बैठेंगे; जब वह आता है, वे रेपचर में जायेंगे। ओह प्रभु! तब, मुझे क्या फिक्र करना है? हमें क्यों फिक्र चाहिए कि संसार क्या कहता है? हमें क्या फिक्र करना चाहिए कि कोई और क्या कहता है? महान पवित्र आत्मा हमारे बीच में है। उसका अग्नि का स्तंभ हमें आगे ले जाता है, और हमारा मार्गदर्शन करता है। उसका वचन हमारे सामने प्रमाणित हुआ है। उसका प्रेम हमारे हृदय में है। संसार पीछे है। हम मृत्यु से जीवन में प्रवेश कर चुके हैं। संसार सोचता है कि आप पागल हो।

लेकिन निश्चय यीशु ने अकेले ही इस क्रूस को सहन
किया,
और सारा संसार आजाद हो जाता है?
हर किसी के लिए एक क्रूस है,
और मेरे लिए एक क्रूस है।

175 तैतीस वर्ष से कार्य श्रेत्र में हूं, और यह पवित्र क्रूस मैं सहन करूंगा जब तक मृत्यु मुझे आजाद नहीं करेगी।

176 मेरे भाई मुझ से मुंह मोड़ने दो, जो भी वे चाहते हैं कहे, जो भी मुझ से मुंह मोड़ने दो। लेकिन *इस* वचन पर मैं खड़ा हूं, और केवल इसी पर।

इस पवित्र क्रूस को मैं सहन करूंगा
जब तक मृत्यु मुझे आजाद नहीं करेगी,
और फिर घर जाऊंगा, रेपचर में, एक ताज पहनने के
लिए।

177 यही है वो जिसे हम सब चाहते हैं। क्या नहीं है? [सभा कहती है, "आमीन।"—सम्पा।] यही है जो हम चाहते हैं। यह हमारा—यह हमारी आशा और याचिका है। हमारे पास कोई और विचार नहीं है, लेकिन वो एक यीशु मसीह पर है। और उसकी केवल धार्मिकता पर हम खड़े है, उसके

वचन में उसकी धार्मिकता हैं। "और वचन देहधारी हुआ था और हमारे बीच में रहा।" और वो वचन अब भी खुद को प्रमाणित कर रहा है।

178 कैसे जय पाना है? वचन को लेने के द्वारा, उस प्रतिज्ञा को, नम्रता में, नम्रता से चलकर।

इस पवित्र क्रूस को मैं सहन करूंगा
जब तक मृत्यु मुझे आजाद नहीं करेगी,
और फिर घर जाऊंगा, एक ताज पहनने के लिए।

179 क्योंकि, "जब वो तुरही फूंकी जाती है!" आप मुझे समुद्र में दफन कर सकते हो, लेकिन तुरही मुझे जागृत करेगी। सही है। मैं एक दिन घर जा रहा हूं। आमीन। तब तक के लिए, मैं संघर्ष करूंगा, आमीन, इस क्रूस को लेकर, मेरी आंखें लोगों पर ना रखकर, लेकिन वहां उस क्रूस पर रखुंगा, क्योंकि वह मेरा उदाहरण था। उसने दिखाया कि इसे कैसे करना है। और उसके उदाहरण को, दिन–प्रतिदिन हम खुशी से इसका अनुकरण करेंगे।

मैं मार्ग के हर कदम पर यीशु के पीछे चल रहा हूं।
मैं मार्ग के हर कदम पर यीशु के पीछे चल रहा हूं।

180 क्या आप इसे पसंद नहीं करते है? [सभा कहती है, "आमीन।"—सम्पा।] ओह, मैं किस तरह से दिन–प्रतिदिन सोचता हूं, मार्ग के हर कदम पर उसका अनुकरण करूं।

आइए प्रार्थना करते हैं

181 प्रभु यीशु, अब एक घंटा और पंद्रह मिनट से, मैं यहां खडा हूं, आपका वचन लेकर और लोगों को समझाने की कोशिश कर रहा हूं कि कैसे जय को पाना हैं। आपने हमें बताया कि यह कैसे किया जाता है। आपने हमें केवल बताया ही नहीं, लेकिन आपने दिखाया कि यह कैसे किया गया था। आपने हमारा नेतृत्व किया, आपने हमें दिखाया कि इसे कैसे करें: हमारे अंदर वचन को लेने से, और वचन को पकडे रहने के लिए निश्चित होना है, "ऐसा लिखा है," ऐसा कहते हुए, हर एक परीक्षा में; लेकिन नम्र बने रहे, नम्रता से चलें। तब हम आपके जरिये से जय पाते है, आपके सामर्थ के जरिये से जय को पाते है, जिसने पहले से ही हमारे शत्रु पर जय प्राप्त कर ली है। और बस एक चीज हमें करना है कि केवल विश्वास के साथ नम्रता से चलना है, यह विश्वास करते हुए, और पवित्र आत्मा के हमारी पहचान की छाप, और शैतान को जाना होगा।

182 यहाँ रूमाल रखे हुए हैं। जो बीमार लोगों के लिए प्रतिनिधित्व को करते हैं। वे आवश्यकता में हैं, प्रभु। और उन्होंने इस न चूकने वाले वचन में पढ़ा है, जहां उन्होंने संत पौलुस के शरीर से रूमालो और कपड़ो को लिया। उन्होंने बीमार लोगों पर रखा। उनमें से दुष्ट आत्मायें निकल गई और महान अद्भुत कार्य किए गये। अब, आज भी आप वही प्रभु यीशु है।

183 पौलुस ने इस वचन का प्रचार किया, और इस वचन को लिखा, वही वचन जिसका हम अनुकरण करने की कोशिश कर रहे हैं। क्योंकि, उसने पुराने नियम को लिया और इसे रूप दिया, और दिखाया कि यह एक नमूना था, कि पुराना नियम, नये का एक सिद्ध नमूना था। हे प्रभु, होने पाये हम उस उदाहरण का अनुकरण करे।

184 हम हमारे परमेश्वर को देखते हैं, जो उसने किया। और हम समझते हैं कि, वे पुराने नियम के संत, आज सुबह, हम देखते हैं कि वे चले गये थे। जब यीशु जी उठा, तो वे उसके साथ चले गये। और, प्रभु, हम विश्वास करते हैं कि हम जायेंगे जब वो तुरही को फुंकेगा। हम इसे विश्वास करते हैं कि उस दिन दुल्हन आगे जाकर और उस—उस इब्रानी झुण्ड के साथ जुड़ जाएगी, और एक साथ में एकत्र होंगे, वहां महिमा में एक विवाह का भोज होगा। वे जो रुके हुए हैं।

हम अब आपकी दया और अनुग्रह हम पर होने के लिए प्रार्थना करते हैं। जय पाने वाले, प्रभु, जय पाने वाले, हम होना चाहते हैं। हमें जयवंत कर। प्रभु यीशु, आपने संसार पर जय पायी। अब मैं प्रार्थना करता हूं कि आप आज सुबह यहाँ हर व्यक्ति को जयवंत होने दे, "इस कारण जब कि गवाहों का ऐसा बड़ा बादल हम को घेरे हुए है, तो आओ, हर एक रोकने वाली वस्तु, और उलझाने वाले पाप को दूर कर के, वह दौड़ जिस में हमें दौड़ना है, धीरज से दौड़ें।"

185 पौलुस इसे बताता है, हमारे स्वर्गीय पिता, उसे इब्रानियों की पुस्तक में, 12 वें अध्याय में, कि "हमें हर एक रोकने वाली वस्तु को एक तरफ करके," उस 12 वें अध्याय में उसने यह बात की, वहां पीछे, उसके पहले से ही उदाहरण के द्वारा दिखाने के बाद: वहां जो लोग आगे गये; जो लोग आगे नहीं गये; वे जो गुनगुने रूप से अनुकरण करते थे; वे जो आगे जाकर अनुकरण करते थे; वे जो धीमे–धीमे से पीछे से आते हैं। उसने सारे उदाहरण दिखाए। तब उसने मुड़कर कहा, "तो आओ, हर एक रोकने

वाली वस्तु को दूर करके, हर एक बहुत ही छोटी–छोटी बातें जो हमें परेशान करती है, ताकि हम धैर्य के साथ दौड़ को दौड़ सकें जो हमारे सामने रखी हुई है; उसे देखकर, जो लेखक और हमारे विश्वास का कर्ता है, जिसने हमें उदाहरण दिया।" हम आज सुबह इसे करते हैं, पिता।

186 अब, हमारे सिरो झुकाए के साथ, अब वास्तव में नज़दीक से जांचे, बिल्कुल, वास्तविक नज़दीक से। और फिर, गंभीर तौर से गहराई से ईमानदार बने रहे। यह बस—यह बस लेता है... यह सब कुछ ले लेता है: आपका जांचना और आपकी ईमानदारी। सावधान रहे जब कि आप अभी जांच रहे हैं। "मुझे जांचे, प्रभु। मुझे परखे। क्या मुझमें कोई दुष्टता है? यदि वहाँ पर है, प्रभु, मैं इसे ठीक अभी यहाँ यहीं निकाल फेंकू। इसी स्थान पर, जहां मैं झुका हुआ हूं, यह आपकी वेदी है। मैं इसे अभी यहां रखता हूं, मेरे पैरों को इस पर रखते हुए। जब मैं यहाँ से चला जाऊंगा, तो ये वहां पर पड़ा रहेगा। आपके लहू की सामर्थ इसे नष्ट करेगी। मैं एक जय पाने वाला होना चाहता हूं। मेरे पास कुछ तो है, जो मुझे परेशान कर रहा है, प्रभु। मैं आज सुबह जय पाने वाला होना चाहता हूं। मैं आपके द्वारा कर सकता हूं। मुझे बताया गया है कि आपके वचन के द्वारा। मैं इसे नीचे रखता हूं, प्रभु, और मैं इस पर अपने पैरों को रखता हूं। जैसे कि मैं आज सुबह इस इमारत से बाहर निकलकर जाता हूं, यह जानकर कि इसे परमेश्वर के ब्लीच (निरंजक) के उस—उस टब में डाला गया है। इसे और याद नहीं किया जाएगा। अब मैं इसे स्वीकार करूंगा और दया के लिए मांगूंगा।"

187 हमारे सिरो को झुकाने के साथ, हमारी आंखें बंद है; हमारे हृदय सोचते हैं, यही अब प्राण का द्वार है। क्या ऐसा कुछ है जिसे आप आज सुबह एक तरफ रखना चाहते है, कुछ तो ऐसा जिस पर आप जय पाना चाहते हैं? और आपने इसकी पूरी कोशिश की है, लेकिन, आज सुबह, आप अब कोशिश करना छोड़ रहे हैं। आप केवल वो स्वीकार करने जा रहे हैं जो उसने किया। मैं चाहता हूं कि आप बस अपना हाथ उठाकर, कहे, "प्रभु, मैं जय पाना चाहता हूं। कोई एक बात मुझे परेशान कर रही है।"

188 प्रभु यीशु, आप उन हाथों को देख रहे हैं। अब, आपके दास के नाई, जीवित और मृत के बीच में खड़ा हूं, मैं इन लोगों और खुद को परेशान करने वाली हर चीज को दोषी ठहराता हूं। और मैं इसे यीशु मसीह के नाम

से मांगता हूं, हम इसे यहां परमेश्वर की वेदी पर छोड़ सकते हैं, और आज सुबह चलकर बाहर जा सकते है, मुक्त होकर, जयवंत की नाई।

189 यदि हमारी बहने जिन पर पहले अनुग्रह नहीं हुआ था, होने पाये अब इसे होने के लिए प्रदान करे। यदि हमारे भाई जिन पर पहले अनुग्रह नहीं हुआ था, होने पाये अब इसे होने के लिए प्रदान करे। और होने पाये, माताए अपने बच्चों के साथ हठ्ठी होने की बजाय नम्रता पूर्वक रहे। वह जानती है कि वह बैठी हुई... वह उन छोटे बच्चों के लिए एक उपदेशक है। उसका जीवन एक उदाहरण हो। जैसे पिता मां के लिए एक उदाहरण हो, क्योंकि वह घर का प्रधान है। यदि मां उस पर अधिकार करने की कोशिश करती आ रही है; वह अब इसे और नहीं करे। यदि वो उसे जमीन की चटाई की तरह इस्तेमाल करते आ रहा है, तो इसे फिर कभी और नहीं किया जाए। वह एक सहायक है। इसे प्रदान करे, प्रभु। ये सारी चीजें जो हमें बाधाये डालती हैं, प्रभु, ये दूर चली जाये।

190 हम—हम खुद को समर्पित कर रहे हैं, पिता, क्योंकि हमारे जो जीवन के आगे का समय है, यह जानते हुए, हमें इसके अंत में आना होगा, और वह तुरंत ही होगा। सो, आज सुबह, हम इस संदेश के बाद, इस अवसर को लेते हैं। हम आगे आने के अवसर को लेते हैं, प्रभु, क्योंकि हम आने के लिए निमंत्रित किये गए हैं। "अपनी चिंताए उस पर डाल दो, क्योंकि वह आपकी चिंता करता है।" मैं जानता हूं आप चिंता करते है, प्रभु। आपने इतनी चिंता की कि हमारे लिए मर गये। और हम निश्चय ही इतनी चिंता कर सकते है कि आकर और स्वीकार करे कि आप जिसके लिए मरे थे।

191 हमें पवित्र करे, प्रभु। हमें नये सिरे से पवित्र आत्मा से भरें। होने पाये कि पवित्र आत्मा अब हमारे ह्रदय में सर्वोच्च रीति से राज्य करे, कि हम चलेंगे, बीती बातों को भूलते हुए, गंदगी और कीचड़ जिसमें हम एक समय रहते थे। हम उस ऊँचे बुलावट के निशान की ओर बढ़ेंगे। जहाँ हमारा प्रकाश मधुरता और नम्रता में इतना चमके, इतना तक कि प्रत्येक वहां से गुजरने वाला व्यक्ति कहे, "वहां उस पर्वत पर एक मसीही रहता है। वो व्यक्ति, वो महिला, वो पुरुष, परमेश्वर का एक वास्तविक समर्पित फूल है। वे बहुत ही प्यारे और दयालु हैं, हमेशा ही प्रेमी और मधुर होते हैं, और समझ को रखते हैं।" इसे प्रदान करे, पिता। हम नमकीन बने ताकि पृथ्वी प्यासी हो

सके; इसे प्रदान करे, पिता; और इस संसार की चीजों, और इस जीवन की चिंताओ पर जय पाये। यीशु मसीह के नाम में। आमीन।

मैं कर सकता हूं...

अब आइये केवल अपने हाथ को उठाये।

... उद्धारकर्ता...

क्या बता रहा है? "कीचड़ में से ऊपर आओ।" एक उच्च जीवन; आप में कुछ तो है, आपको इस तरफ खींच रहा है। ये क्या है? ये वो है। नीचे कीचड़ में, छोटे–छोटे फूल; आपमें वो जीवन है जो आपको ऊपर ला रहा है। इसलिए आपको बुलाता हैं, "कीचड़ में से ऊपर आओ।"

अनुकरण करे, अनुकरण करे...

192 अब, क्या आपका ये अर्थ है? अब अपनी आंखें बंद करो।

वह जहाँ मुझे ले जाता है, मैं अनुस...

अब समर्पण करें। इसका अर्थ अब यही है।

वह जहाँ मुझे ले जाता है मैं अनुकरण करूंगा,
वह जहाँ मुझे ले जाता है मैं अनुकरण करूंगा,
मैं उसके साथ, उसके साथ जाऊंगा, पूरी तरह से।

वह जहाँ मुझे ले जाता है मैं...

अब बस मधुरता से। याद रखें। खुद को वहां रखे।

वह ले जाता है...

"मैं इसे यहाँ रखूंगा, प्रभु। मैं अब से आपका अनुकरण करूंगा। मैं इसे स्वीकार करता हूं। मैं विश्वास करता हूं।"

वह जहाँ ले जाता है...

याद रखें, आपके मुंह की आवाज़ से ज्यादा आपका जीवन आपकी गवाही देगा। जो आप बोलते हैं उससे ज्यादा आपका जीवन लोगो को साबित करता है।

उसके साथ, उसके साथ जाये, (किस तरफ, कहाँ?)
पूरी तरह से।

[भाई ब्रन्हम गुनगुनाना आरंभ करते है *वह जहाँ मुझे ले जाता है*—सम्पा।]

193 बस अपने पुरे ह्रदय की गहराई से, ईमानदारी से, अपने आप को समर्पित करें। क्या हो यदि यह आखिरी बार हो, आपको प्रार्थना करने की अनुमति दी गयी हो? ये हो सकता है। मैं आशा नहीं करता। ये हो सकता है। तब, निश्चय हो जाये, वास्तव में निश्चय, वास्तव में निश्चय हो जाये। याद रखें, एक दिन दरवाजा बंद हो जाएगा, उसके बाद ये सब समाप्त हो जाता है। "मांगो, तो तुम्हें दिया जायेगा।"

[भाई ब्रन्हम गुनगुनाना आरंभ करते है *वह जहाँ मुझे ले जाता है*—सम्पा।]

194 बस उस सारी महिमा के बारे में सोचे, जिसे उसने आपको प्रदान किया है, जो कुछ भी उसने किया है। "मैं विश्वास करता हूं, प्रभु। मैं विश्वास करता हूं। मैं विश्वास करता हूं कि आप मेरे जय पाने वाले है। मैं केवल आपके साथ चलना चाहता हूं, प्रभु। मैं आपके साथ नजदीक बने रहना चाहता हूं, प्रभु, जहां आप हैं, वहां मैं होना चाहता हूं।"

195 और याद है, आपने हमें बताया, पिता, कि, "हम हमेशा प्रभु के साथ रहेंगे, जब हम ऊपर उठा लिए जायेंगे।" हमें बस अब उसकी एक—एक झलक ही मिली है, जब वो अब हमारे साथ चलता है। लेकिन तब हम... यह कितनी महान बात है, केवल यह जानना कि वो हमारे—हमारे बीच में है! तब क्या होगा जब हम उसके साथ हमेशा के लिए रहेंगे? हम अपनी सभी गतिविधियों से बहुत प्रेम करते हैं: हम गाड़ी चला सकते हैं; हम खरीदारी कर सकते हैं; हम शिकार, मछली पकड़ने जा सकते हैं, या जो भी हम आनंद लेने में कर सकते हैं। लेकिन, ओह, जब कलीसिया खुलती है, देखो, हम अपने परमेश्वर से मिलना चाहते हैं। जो सब चीजो से सबसे बढकर है। तब, सोचे, उसने हमसे प्रतिज्ञा की है। "और हमेशा प्रभु के साथ रहेंगे। उसके साथ उसके सिंहासन में बैठेंगे, और उसके साथ हमेशा के लिए रहेंगे।" हे परमेश्वर, हम नम्रता पूर्वक, झुके हुए सिरो के साथ, हम इसे स्वीकार करते हैं, प्रभु, यीशु मसीह के नाम में।

196 क्या आप महसूस करते है कि अब आप सब कुछ, हर एक बोझ को छोड़ सकते हैं? आप बस चल कर जा सकते है, इस सब के ऊपर? यदि आप करते हैं, तो अपना हाथ ऊपर उठाये, कहे, "परमेश्वर के अनुग्रह के द्वारा मैं इस परीक्षा को नीचे रखता हूं। मैं अब और नहीं लडूंगा। मैं बस उसके हाथो को पकड़ लुंगा, बस आगे चलना आरंभ करूंगा।"

"मैं लड़ा हूं, भाई ब्रन्हम। मैंने सिगरेट छोड़ने की कोशिश की। मैंने—मैंने अपने बालों को बढाने की कोशिश की है। मैंने *ऐसा* करने की कोशिश की है। मैंने की है... मैंने बहुत ही कड़ी कोशिश की है, भाई ब्रन्हम। मैं अब इसे नहीं कर सकता।"

अब इसे करने की कोशिश मत करो। केवल उसके हाथ को पकड़ ले, कहे, "पिता, आप मेरे हाथ को आस्तीन में डाले।" समझे? "मैं अब आपको अपने हाथ को देने जा रहा हूं। मैं आगे चलूंगा, प्रभु, आपको देखते हुए।" ऐसा ही होगा। ये आपको एक सच्चे मसीही की तरह कपडे पहनायेगा। आप एक एक सच्चे मसीही बनेंगे।

197 जब तक मैं आपको आज रात को नहीं मिलता, परमेश्वर आपसे प्रेम करता हैं और आपके साथ रहे। आप मेरे सुसमाचार की संतान हो। आप खरीदे गये हैं।

अब मैं आपके पास्टर को समाप्त करने के लिए वापस देता हूं, भाई ओरमन नेविल।

मैं कैसे जय पा सकता हूं? HIN63-0825M

(How Can I Overcome?)

यह सन्देश भाई विलियम मेरियन ब्रंहम के द्वारा मूल रूप से इंग्लिश में रविवार सुबह, 25 अगस्त, 1963 को ब्रन्हम टेबरनेकल, जेफरसनविले, इंडियाना, यु.एस.ए में प्रचारित किया गया। इसे चुम्बकीय टेप रिकॉर्डिंग से लिया गया है, और इंग्लिश में विस्तृत छापा गया है। इस हिंदी अनुवाद को वोईस ऑफ गॉड रिकॉर्डिंग के द्वारा छापा गया और बाँटा गया है।

HINDI

©2019 VGR, ALL RIGHTS RESERVED

VOICE OF GOD RECORDINGS, INDIA OFFICE
19 (NEW NO: 28) SHENOY ROAD, NUNGAMBAKKAM
CHENNAI 600 034, INDIA
044 28274560 • 044 28251791
india@vgroffice.org

VOICE OF GOD RECORDINGS
P.O. BOX 950, JEFFERSONVILLE, INDIANA 47131 U.S.A.
www.branham.org

कोपी राईट सूचना

सारे अधिकार सुरक्षित है। यह पुस्तक व्यक्तिगत प्रयोग या मुफ्त में देने और एक औजार के समान यीशु मसीह का सुसमाचार फैलाने के लिये
घर के प्रिंटर पर छाप सकते हैं।

इस पुस्तक को बेचना, अधिक मात्रा में फिर से छापना, वेब साईट पर डालना, दुबारा छापने के लिये सुरक्षित रखना, दूसरी भाषाओं में अनुवाद करना या धन प्राप्ति के लिये निवेदन करना निषेध है। जब तक की वायस ऑफ गोड रिकार्डिंग कि लिखित अनुमति प्राप्त ना कर ली जाये।

अधिक जानकारी या दूसरी उपलब्ध सामग्री के लिये कृपया संपर्क करें:

वायस ऑफ गोड रिकार्डिंग्स

पोस्ट बोक्स 950 जैफरसन विले, इन्डियाना 47131 यू. एस. ए.

www.branham.org